हिंदी व्याकरण-1

1. हिंदी वर्णमाला

(क) 1. मुर्गी, आकाश, बतख, कबूतर।
2. तबख, गींमु, गीचाब, दलबा।
3. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
(ख) 1. भाषा की सबसे छोटी ध्वनि, वर्ण कहलाती है।
2. जो वर्ण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना बोले जाते हैं, स्वर कहलाते हैं।
3. स्वरों की सहायता से व्यंजनों का उच्चारण किया जाता है।
4. वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
5. शब्द दो तरह के होते है–
(1) सार्थक शब्द (2) निरर्थक शब्द
(ग) 1. ब, **2.** ब, **3.** स।
(घ) 1. जो, **2.** तैंतीस, **3.** चार, **4.** दो, **5.** छोटी।
(ङ) 1. आम, **2.** ईख, **3.** औरत।
(च) 1. खरगोश, **2.** थरमस, **3.** पतंग।

2. मात्राएँ

(क) 1. मात्रा रहित स्वर वर्ण 'अ' है।
2. मात्राओं की कुल संख्या ग्यारह (11) है।
3. स।
(ख) 1. व्यंजन के साथ जुड़ने वाले स्वर के चिह्न 'मात्रा' कहलाते हैं।
2. हिंदी में स्वरों की संख्या ग्यारह है– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
(ग) 1. ब, **2.** अ।
(घ) 1. व्यंजन, **2.** अलग-अलग, **3.** कोयल।
(ङ) 1. मोर, **2.** सँपेरा, **3.** हिरण।

3. वाक्य

(क) 1. शब्दों का वह समूह जो अपना पूरा अर्थ दे, वाक्य कहलाता है।
2. शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनता है।
(ख) 1. शब्दों का वह समूह जो अपना पूरा अर्थ दे, वाक्य कहलाता है।
2. 1. मैं सो रही हूँ।
2. राम खेल रहा है।
3. कोयल गाना गा रही है।
4. तुम पढ़ रहे हो।
5. मोर नाच रहा है।
(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स
(घ) 1. उड़, **2.** कूक, **3.** चाँद।

4. भाषा, लिपि एवं व्याकरण

(क) 1. मन के भावों को प्रकट करने का साधन भाषा है।
2. हिन्दी।
(ख) 1. जिस साधन से हम अपने मन के भावों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते है, उसे भाषा कहते हैं।
3. भाषा को लिखने के लिए जो चिह्न निश्चित किए गए हैं उन्हें लिपि कहते हैं।
4. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान 'व्याकरण' से होता है।
(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** ब।
(घ) 1. खाना, **2.** खिलौने, **3.** पशु, **4.** केला, **5.** घोंसले।
(ङ) 1. (✗), **2.** (✓), **3.** (✗), **4.** (✓), **5.** (✓)।
(च) 1. मौखिक भाषा, **2.** मौखिक भाषा, **3.** लिखित भाषा, **4.** लिखित भाषा, **5.** मौखिक भाषा, **6.** सांकेतिक भाषा।

5. संज्ञा

(क) 1. रामू, मोनू, अक्षत, राम, श्याम।
2. पेड़, कुर्सी, कार, किताब, पेन।
3. विद्यालय, बगीचा, ताजमहल, लालकिला, मन्दिर।
4. गाय, बैल, बकरी, तोता, मोर।
(ख) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।
2. राम, दिल्ली, किताब, प्रेम, गाड़ी, सूर्य।
(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** अ।
(घ) 1. आयुष, **2.** बिल्ली, **3.** किताब।
(ङ) 1. हिरण (प्राणी), **2.** चिड़िया (प्राणी), **3.** गिलहरी (प्राणी) **4.** लालकिला (स्थान), **5.** ताजमहल (स्थान), **6.** विद्यालय (स्थान)। **7.** हँसी (भाव), **8.** बुढ़ापा (भाव), अध्यापक (व्यक्ति)।

6. सर्वनाम

(क) 1. वह, तुम, हम, मैं, मुझे।

2. 1. उनका बेटा ईमानदार है।

2. तुम भी मेरे साथ चलो।

3. मैं पार्क जाता हूँ।

4. वह खेलता है।

5. हम दिल्ली जाते हैं।

(ख) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

2. 1. यह मेरा भाई है।

2. वह पढ़ता है।

3. मैं स्कूल जाता हूँ।

4. तुम बाजार जाओ।

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. वह, **2.** अपना, **3.** मेरा, **4.** वे सब, **5.** कोई, **6.** उनकी।

(ङ) 1. वह, मेरा, **2.** तुम लोग, **3.** आपने, कुछ, **4.** वे सब, उनके।

(च) 1. वह, **2.** सब, **3.** सब, **4.** हम, **5.** कब, **6.** उनका।

7. विशेषण

(क) 1. मीठा, भारी, देशी, नीला।

2. संज्ञा और सर्वनाम की।

(ख) 1. जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

2. विशेषण शब्द रंग, रूप, गुण के साथ-साथ, माप-तौल और संख्या भी बताते हैं।

3. विशेषण शब्द संज्ञा के पहले और बाद में भी प्रयोग में आते हैं।

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** अ।

(घ) 1. तीन, **2.** सुंदर, **3.** बड़ा, **4.** ठण्डा।

(ङ) 1. स, **2.** ब, **3.** अ, **4.** य, **5.** द।

8. क्रिया

(क) 1. चलना, दौड़ना, उड़ना, उठना, बैठना, खाना, पीना, देखना।

2. 1. बच्चा रोता है।

2. तुम हँसते हो।

3. वह पढ़ता है।

4. मोहन खेलता है।

5. राधा अच्छा गाना गाती है।

(ख) 1. जिन शब्दों से किसी काम के होने या करने का भाव प्रकट हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।

2. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

3. क्रिया के दो भेद होते हैं— **1.** सकर्मक, **2.** अकर्मक।

4. 1. खाना, **2.** पीना, **3.** सोना, **4.** हँसना, **5.** रोना, **6.** पढ़ना।

(ग) 1. अ, **2.** स, **3.** ब।

(घ) 1. दौड़ता, **2.** पढ़ते, **3.** उड़ता, **4.** खेलते, **5.** बोलता।

(ङ) 1. दौड़ता है। **2.** बनाती है। **3.** उठता है। **4.** उड़ती है। **5.** गाती है।

(च) 1. गाना, **2.** सोना, **3.** पहनना, **4.** खेलना, **5.** जाना।

(छ) 1. हँस, **2.** कूक, **3.** पढ़।

9. लिंग

(क) 1. औरत, दादी, नानी, पत्नी, लड़की।

2. आदमी, दादा, नाना, पति, लड़का।

(ख) 1. संज्ञा का वह रूप जो स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराता है, उसे लिंग कहते हैं।

2. लिंग के दो भेद होते हैं—**1.** पुल्लिग, **2.** स्त्रीलिंग।

3. 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(ग) 1. गाय, **2.** माली, **3.** बच्चा, **4.** माताजी, **5.** चिड़िया।

(घ) 1. बैल, **2.** बेटा, **3.** भाई, **4.** दादा, **5.** हिरण, **6.** बकरा, **7.** कबूतर, **8.** चिड़ा।

(ङ) 1. मोरनी, **2.** पंडिताइन, **3.** दादी, **4.** नौकरानी, **5.** नानी, **6.** मालिन, **7.** शिकारिन, **8.** बुढ़िया।

10. वचन

(क) 1. गेंद, किताब, घोड़ा, जूता, माला।

2. गेंदें, किताबें, घोड़े, जूते, माताएँ।

(ख) 1. शब्द का वह रूप जो संख्या का बोध कराता है, उसे वचन कहते हैं।

2. वचन के दो भेद होतें है। **1.** एकवचन, **2.** बहुवचन।

3. शब्द का वह रूप जो एक संख्या का बोध कराता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे-घोड़ा।

(ग) 1. स, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. संतरे, **2.** बच्चा, **3.** सपना, **4.** मिठाइयाँ, **5.** रास्ता।

(ङ) 1. कमरें, **2.** कुर्सियाँ, **3.** दीवारें, **4.** मिठाइयाँ, **5.** गायें, **6.** नदियाँ, **7.** सितारें, **8.** साड़ियाँ, **9.** सपने, **10.** लोगों।

(च) 1. एकवचन, **2.** बहुवचन, **3.** एकवचन, **4.** बहुवचन, **5.** एकवचन, **6.** बहुवचन, **7.** एकवचन, **8.** बहुवचन,

9. एकवचन, **10.** बहुवचन।

(छ) 1. आसमान में पतंगें उड़ रही हैं।

2. चिड़ियाँ चहक रही हैं।

3. रामू ने दरवाजे के बाहर अपने जूते उतारें।

11. पर्यायवाची शब्द

(क) 1. घन, मेघ।

2. रमा, श्री।

(ख) 1. समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. तनय, **2.** हिमालय, **3.** नभ, **4.** ----, **5.** घटक।

(ङ) 1. रवि, **2.** दिनकर, **3.** अचल, **4.** गिरि, **5.** भूषण, **6.** आभरण।

12. विलोम शब्द

(क) 1. दु:ख।

2. हार।

(ख) विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

(ग) 1. अ, **2.** ब।

(घ) 1. पुराना, **2.** पतला, **3.** गरीब, **4.** बाहर, **5.** रात, **6.** बुरा, **7.** कठिन, **8.** कल, **9.** निरादर, **10.** मूर्ख।

(ङ) 1. (✗), **2.** (✓), **3.** (✗), **4.** (✓), **5.** (✗), **6.** (✓), **7.** (✗), **8.** (✓)।

13. शब्द-समूह के लिए एक शब्द

(क) 1. शब्द-समूह के लिए एक का प्रयोग करने से वाक्य सुंदर लगता है।

2. अदृश्य।

(ख) 1. अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** अ।

(ग) 1. परोपकारी, **2.** कृतज्ञ, **3.** ग्रामीण, **4.** आज्ञाकारी।

14. मुहावरे

(क) 1. बहुत प्यारा।

2. खून खौलना— भाई का झगड़ा पड़ोसी से होता देखकर मेरा खून खौल उठा।

(ख) 1. अपराधी का शंकाग्रस्त रहना।

2. बहुत कम दिखाई देना।

3. घबराना।

4. थोड़े से।

5. सब कह देना।

(ग) 1. मैंने देर से आने की गलती पर कान पकड़ लिये हैं।

2. पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

3. मोहन ने कर्जा करके अपने बच्चों के लिए कुआँ खोद दिया है।

4. परीक्षा नजदीक है, अब तो पढ़ाई के लिए कमर कस लो।

5. सैनिकों की शहादत की खबर सुनकर देशवासियों का खून खौल उठा।

16. निबंध लेखन

1. मेरा घर

- मेरा घर बहुत सुन्दर है।
- मेरे घर के सामने एक छोटा-सा बगीचा है।
- यह एकमंजिला मकान है।
- मेरे घर में चार कमरे हैं।
- मेरे कमरे में पसंदीदा किताबें और खिलौने रखे हैं।
- मेरा घर बहुत साफ-स्वच्छ रहता है।
- मेरे घर में एक पूजा घर भी है।
- मेरे घर की दीवारों पर सुंदर चित्र लगे हैं।
- मेरे घर में एक रसोई है जिसमें मेरी माँ स्वादिष्ट भोजन बनाती हैं।
- मुझे अपने घर से बहुत प्यार है।

2. दशहरा

- दशहरा हिन्दुओं का पर्व है।
- यह त्योहार आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है।
- इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था।
- इसे विजयादशमी भी कहा जाता है।
- दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
- दशहरे के दिन बड़े-बड़े मैदानों में रावण, मेघनाद के पुतले बनाकर जलाए जाते हैं।
- दशहरे के दिन कई लोग रामलीला नाटक का आनन्द लेते हैं।
- इस त्योहार से हमें मानवता की सीख मिलती है।
- इस दिन लोग देवी दुर्गा की पूजा करते हैं।
- दशहरा भारत में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है।

3. मेरा प्रिय खेल-क्रिकेट

- मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है।
- यह खेल गेंद और बल्ले से खेला जाता है।
- इस खेल में दो टीमें होती हैं।
- हर टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं।
- क्रिकेट एक लोकप्रिय खेल हैं जो विश्व-भर में खेला जाता है।
- क्रिकेट का मुख्य उद्देश्य रनों की अधिकतम संख्या बनाना है।
- क्रिकेट में बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग शामिल होती है।
- क्रिकेट में विभिन्न प्रारूप होते हैं; जैसे-टेस्ट, वनडे और टी-20।
- क्रिकेट में एक ओवर में 6 गेंदें होती हैं।
- क्रिकेट एक रोमांचक और मनोरंजक खेल है।

हिंदी व्याकरण-2

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

(क) 1. बोलनाकार के भावों को प्रक्रट करना मौखिक भाषा है।
2. देवनागरी।

(ख) 1. जिस साधन से हम बोलकर व लिखकर एक-दूसरे के विचारों को समझते हैं, उसे भाषा कहते हैं।
2. भाषा के दो रूप हैं—
(i) मौखिक रूप, **(ii)** लिखित रूप।
3. वह शास्त्र जिसके द्वारा हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है, व्याकरण कहलाता है।
4. भाषा के लिखने के चिह्न लिपि कहलाते हैं।

(ग) 1. ब, **2.** अ, **3.** स।

(घ) 1. लिखित, **2.** हिंदी, **3.** अंग्रेजी, **4.** पढ़ना, **5.** फारसी।

(ङ) 1. (✗), **2.** (✓), **3.** (✗), **4.** (✓)।

2. वाक्य विचार

(क) 1. शब्दों का वह समूह जो अपना पूरा अर्थ देता है, वाक्य कहलाता है।
2. जिस वाक्य में एक उद्देश्य व एक विधेय होता है, उसे सरल वाक्य कहते हैं।
3. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।

(ख) 1. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं, जबकि उद्देश्य के बारे में जो कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।
2. गाय हरी घास चर रही है।
वर्षा हो रही है।
3. जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य हो, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।
4. सुबह हुई और पक्षी चहचहाने लगे।

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. हेमा, मिठाई — हेमा मिठाई खा रही है।
2. हम, आप— हम और आप दिल्ली जाएँगे।
3. मोहन, दिल्ली— मोहन दिल्ली गया।
4. तुम, वहाँ— तुम वहाँ रहना।

(ङ) 1. आप— दिल्ली जा रहे हो।
2. रीता— नाच रही है।
3. चिड़िया— दाना चुग रही है।
4. मनोज— दौड़ रहा है।

(च) 1. आयुष— आयुष सत्य बोलता है।
2. हमेशा— वह हमेशा दिल्ली जाता है।
3. समझदार— मोहन बहुत समझदार है।
4. अजमेर— अजमेर राजस्थान का एक प्रसिद्ध शहर है।

(छ) 1. विकास हमेशा सच बोलता है।
2. आप यहाँ क्या कर रहे हैं?
3. ये आम कितने मीठे हैं।
4. रमेश मेला देखने गया है।
5. सभी छात्र पिकनिक मनाने जा रहे हैं।

3. शब्द भण्डार

(क) 1. गाँव, **2.** कोकिल, **3.** पूरा।

(ख) 1. भाषा में दक्ष होने के लिए अधिक-से-अधिक शब्दों का ज्ञान आवश्यक है।
2. दुबला ।
3. कपोत

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. मामा, **2.** पोथी, **3.** वस्त्र, **4.** दुबला, **5.** रात, **6.** थल।

(ङ) 1. क्षीर, **2.** अश्रु, **3.** सूर्य, **4.** वक, **5.** मुख, **6.** वानर।

4. संज्ञा

(क) 1. लड़का, घर, कुत्ता, सूरज, पानी, मित्र, पुस्तक, पर्वत।
2. भाववाचक संज्ञा।

(ख) 1. किसी वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. बालक, पुस्तक, कुत्ता, पर्वत।
3. 1. जो संज्ञा एक ही जाति का बोध कराती है, जातिवाचक संज्ञा कहलाती है, जबकि जो संज्ञा किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के खास होने का बोध कराती है, व्यक्तिवाचक कहलाती है।

(ग) 1. अ, **2.** अ, **3.** स।

(घ) 1. गंगा, भारत, नदी।
2. हिमालय पर्वत, भारत, उत्तर।
3. लोग।
4. प्रधानमंत्री, लालकिले, झण्डा।

(ङ) **1.** जातिवाचक संज्ञा, **2.** भाववाचक संज्ञा, **3.** जातिवाचक संज्ञा, **4.** व्यक्तिवाचक संज्ञा, **5.** व्यक्तिवाचक संज्ञा, **6.** भाववाचक संज्ञा।

(च) **1.** मेरा बचपन बहुत अच्छा था।
2. सीता भगवान राम की पत्नी थीं।
3. यह शहर बहुत साफ और सुंदर है।
4. भगतसिंह भारत के महान स्वतंत्रता-सेनानी थे।
5. गुलाब एक खुशबूदार फूल होता है।

5. लिंग

(क) **1.** पुरुष-जाति का, **2.** स्त्री-जाति का।

(ख) **1.** संज्ञा के जिस रूप में स्त्री व पुरुष जाति का बोध होता है, वह लिंग कहलाता है।
2. मामा, लेखक, दादा, पंडित।
3. मामी, लेखिका, दादी, पंडिताइन।
4. **(i)** गर्दन, **(ii)** जाँघ, **(iii)** उँगली, **(iv)** एड़ी।

(ग) **1.** अ, **2.** स, **3.** ब।

(घ) **1.** सभा, **2.** पुल्लिग, **3.** स्त्रीलिंग, **4.** भालू।

(ङ) **1.** विदुषी, **2.** बूढ़ा, **3.** चुहिया, **4.** पंडिताइन, **5.** मालिन, **6.** कबूतरी, **7.** माताजी, **8.** गाय, **9.** हिरन, **10.** लेखिका।

(च) **1.** पुल्लिग, **2.** स्त्रीलिंग, **3.** पुल्लिग, **4.** पुल्लिग, **5.** स्त्रीलिंग, **6.** स्त्रीलिंग, **7.** पुल्लिग, **8.** स्त्रीलिंग, **9.** स्त्रीलिंग, **10.** पुल्लिग।

6. वचन

(क) **1.** शब्द का वह रूप जो संख्या का बोध कराये, वचन कहलाता है।
2. **एकवचन शब्द—**गाय, नदी, चूहा, पंखा, कपड़ा।
बहुवचन शब्द—गायें, नदियाँ, चूहे, पंखे, कपड़े।

(ख) **1.** जो संज्ञा शब्द किसी एक व्यक्ति, प्राणी या वस्तु का बोध कराये, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे— गाय, पुस्तक।
2. जो संज्ञा शब्द एक से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध कराए, उसे बहुवचन कहते है; जैसे— गायें, पुस्तकें।
3. **एकवचन—** लड़का, पंखा, किताब, गाय, चूहा, कपड़ा।
बहुवचन— लड़के, पंखे, किताबें, गायें, चूहे, कपड़े।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** अ।

(घ) **1.** पुस्तकें, **2.** पेड़ो, **3.** रुपए, **4.** पत्ते, **5.** चरखा।

(ङ) **1.** केले, **2.** सब्जी, **3.** अध्यापकगण, **4.** कपड़ा, **5.** तिथियाँ, **6.** पतीला, **7.** बच्चे, **8.** चिड़िया, **9.** साड़ी, **10.** खिलौने।

(च) **1.** पेड़ पर तोते बैठे हैं।
2. बच्चे खेल रहे हैं।
3. नदियाँ बह रही हैं।
4. घोड़े दौड़ रहे हैं।
5. सुंदर फूल खिल रहे हैं।

7. सर्वनाम

(क) **1.** संज्ञा के। **2.** पुरुषवाचक सर्वनाम- तुम, आप (मध्यम पुरुष), वह (अन्य पुरुष), **3.** पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक।

(ख) **1.** **(i)** उत्तम पुरुष— मैं, हम, **(ii)** मध्यम पुरुष— तुम, आप, **(iii)**अन्य पुरुष— वह, वे।
2. जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित वस्तु का ज्ञान कराते हैं उन्हें निश्चयवाचक कहते हैं। जैसे— यह मेरी पुस्तक है।
जो किसी सर्वनाम शब्द किसी निश्चित वस्तु के बारे में नहीं बताते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक कहते हैं। जैसे— दूध में कुछ है।
3. **(i)** यह हमारा निज निवास है।
(ii) आप अपना काम स्वयं करें।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) **1.** हम, **2.** जो, सो, **3.** कौन, **4.** स्वयं, **5.** यह।

(ङ) **1.** संबंधवाचक, **2.** पुरुषवाचक, **3.** पुरुषवाचक, **4.** अनिश्चयवाचक, **5.** प्रश्नवाचक, **6.** निजवाचक।

(च) **1.** जैसी, वैसी, **2.** यह, मेरी **3.** क्या, आप, **4.** तुम, अपनी, **5.** वह, मेरे।

(छ) **1.** वह अपना काम स्वयं करता है।
2. हम बाजार गए थे।
3. वह कोई खास व्यक्ति नहीं है।
4. तुम्हारा भाई कौन है?
5. आपका क्या नाम है?

(ज) **1.** निश्चयवाचक, **2.** निजवाचक, **3.** अनिश्चयवाचक, **4.** पुरुषवाचक।

8. विशेषण

(क) **1.** विशेषण शब्द संज्ञा व सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं।
2. सफेद, सुन्दर, बड़ा, काली।
3. **चार** आदमी, **दो** किताब, **छः** घर, **सात** पेन।

(ख) **1.** वे शब्द जो संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताते हैं,

विशेषण कहलाते हैं।

2. जिन विशेषण शब्दों द्वारा संज्ञा के गुण-दोष, रंग-रूप, आकार आदि का पता चलता है, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे— **सफेद** गाय, **बड़ा** घर।

3. संख्यावाचक विशेषण किसी वस्तु की संख्या या क्रम को बताते हैं; जबकि परिमाणवाचक विशेषण किसी वस्तु की मात्रा, परिमाण या माप को बताते हैं।

4. **1. यह** किताब मेरी है।,
2. वह लड़का मेरा दोस्त है।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** ब।

(घ) **1.** ताजा, **2.** सुंदर, **3.** नीली, **4.** दो किलो, **5.** दो लीटर।

(ङ) **1.** यह, **2.** चार किलो, **3.** चालीस, **4.** गरीब, ईमानदार, **5.** सभी गीले।

(च) **1.** आलसी— गुणवाचक, **2.** पाँच लीटर— परिमाणवाचक, **3.** एक किलो— परिमाणवाचक, **4.** मोटे— गुणवाचक, **5.** दस— संख्यावाचक।

(छ) **1.** श्याम कमजोर व्यक्ति है।
2. सीता ने चार मीटर कपड़े से सूट सिलवाया।
3. मोहन बहुत नटखट लड़का है।
4. आम बहुत मीठा है।
5. मैं यहाँ ज्यादा देर नहीं रुकूँगा।

9. क्रिया

(क) **1.** जो शब्द किसी कार्य के होने या करने का बोध कराते हैं, उन्हें क्रिया कहते हैं।

2. **1.** रीना **पढ़ रही है।**
2. मैं क्रिकेट **खेल रहा हूँ।**
3. बच्चा **रो रहा है।**
4. वह गाना **गा रही है।**
5. तुम **पढ़ रहे हो।**

(ख) **1.** सकर्मक क्रिया— उदाहरण— माँ खाना बना रही है।
अकर्मक क्रिया— उदाहरण— बच्चा हँस रहा है।

2. अकर्मक क्रिया— जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म नही होता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।
सकर्मक क्रिया— जिन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

3. क्रिया का मूल रूप 'धातु' कहलाता है।

(ग) **1.** अ, **2.** अ, **3.** ब।

(घ) **1.** जाएँगे, **2.** आएँगे, **3.** लिख रही, **4.** जा रहा।

(ङ) **1.** उड़ रहा है।
2. पी रहा है।
3. चहचहा रहा हैं।
4. बैठी है।
5. उठता है।
6. होगी।

(च) **1.** खा रही है। (सकर्मक)
2. हो रही है। (अकर्मक)
3. पक गए हैं। (अकर्मक)
4. चल रही है। (अकर्मक)
5. गा रही है। (सकर्मक)
6. बह रही है। (अकर्मक)
7. दौड़ता है। (अकर्मक)
8. खेलता है। (सकर्मक)

(छ) **1.** खेलना — सरिता क्रिकेट खेल रही है।
2. हँसना — बच्चा हँस रहा है।
3. रहना — मुझे तुम्हारे साथ रहना है।
4. सोना — अदिति सोने गई है।
5. घूमना — पिता जी रोज घूमते हैं।

10. काल

(क) **1.** क्रिया के जिस रूप में कार्य पूरा होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
2. भविष्य काल में।
3. वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्य काल।

(ख) **1.** क्रिया के जिस रूप से वर्तमान समय में कार्य का होना पाया जाए, उसे वर्तमान काल कहते हैं, जबकि क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।
2. **(i)** श्याम आगरा जाएँगा।
(ii) मैं खेलूँगी।
3. **(i)** मैं खाना बनाती हूँ।
(ii) वह क्रिकेट खेलता है।
4. **(i)** मोहन तेज दौड़ता था।
(ii) वह अच्छा खाना बनाती थी।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) **1.** खेलता है।, **2.** उड़ाई।, **3.** जाएँगे।, **4.** पढ़ाता है।

(ङ)

भूतकाल	भविष्यकाल
रामू आम खा रहा था।	रामू आम खाएगा।
किसान खेत जोत रहा था।	किसान खेत जोतेगा।

माँ खाना बना रही थी।	माँ खाना बनाएगी।
बच्चे पढ़ाई कर रहे थे।	बच्चे पढ़ाई करेंगे।

(च) 1. बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।
2. मैं दिल्ली गया था।
3. सोहन घर आएगा।
4. राधा नाचती है।

11. पर्यायवाची शब्द

(क) 1. भवन, आलय।
2. नभ, आसमान।
3. नरेश, नृप।

(ख) 1. समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते है।
2. पर्यायवाची शब्दों को 'समानार्थी' शब्दों के नाम से जाना जाता है।

(ग) 1. मयंक, शशि, चाँद।
2. सरिता, तटिनी, तरंगिनी।
3. रात्रि, निशा, यामिनी।

(घ) 1. आलय, 2. स्वर्ण, 3. सुत, 4. जलद, 5. दिवस, 6. तरु।

12. विलोम शब्द

(क) 1. अपयश, 2. रंक, 3. सरल।

(ख) एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

(ग) 1. कठोर, 2. छिपता, 3. झूठ, 4. मूर्ख, 5. दु:ख, 6. बुरे।

(घ) 1. रोना, 2. महँगा, 3. शाम, 4. पुराना, 5. अशुभ, 6. हार, 7. कठोर, 8. दोष।

13. शब्द-समूह के लिए एक शब्द

(क) 1. जो दूसरों पर उपकार करता हो।
2. वाचाल।

(ख) 1. सुलभ, 2. आस्तिक, 3. चित्रकार 4. किसान, 5. लोकप्रिय।

(ग) 1. सैनिक, 2. दर्शनीय, 3. अध्यापक, 4. सहपाठी, 5. सदाचारी।

14. मुहावरे

(क) 1. शर्मसार होना।
2. दिन-रात काम में लगे रहना।

(ख) 1. शर्मसार होना।
2. बहुत खुश होना।
3. बहुत प्यारा।
4. दु:खी होना।
5. काम से बचना।

(ग) 1. हाथ मलते, 2. धूल चटा, 3. आँखों का तारा, 4. होश उड़।

(घ) 1. दु:खी होना— अपनी माँ को बीमार देखकर मेरा गला भर आया।
2. कोशिश करना— दिनेश ने सरकारी नौकरी के लिए खूब हाथ-पाँव मारे पर असफल रहा।
3. काम से बचना— पढ़ाई से जी चुराने वाले बच्चे कभी सफल नहीं होते हैं।
4. तैयार होना— परीक्षा नजदीक आने पर छात्रों ने अपनी कमर कस ली।

15. पत्र लेखन

(क)

प्रिय मित्र (मित्र का नाम)
सप्रेम नमस्कार,
मैं तुम्हें परीक्षा में प्रथम आने की बधाई देना चाहता हूँ। यह सुनकर हम सबको बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम्हें अपनी कक्षा में सबसे अधिक अंक मिले हैं और पुरस्कार भी मिला। हमें इस बात की खुशी है कि तुम्हारी मेहनत सफल हुई। मेहनत का फल आपको मिला, मेरी ओर से बधाई हो। मैं आशा करता हूँ कि तुम सदैव इसी प्रकार प्रथम स्थान प्राप्त करो।

तुम्हारा दोस्त
(मित्र का नाम)

(ख)

सेवा में,
श्रीमान् प्रधानाध्यापक जी
(स्कूल का नाम)
विषय — परीक्षा-शुल्क माफ करने हेतु।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मेरी आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण में परीक्षा-शुल्क भरने में असमर्थ हूँ। अत: आप मेरा परीक्षा-शुल्क माफ करें तो आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
(छात्र का नाम)
कक्षा—2

16. निबंध-लेखन

(क) 1. दीपावली

- दीपावली हिंदुओं का एक प्रसिद्ध त्योहार है।
- दीपावली का त्योहार प्रतिवर्ष हिन्दी पंचांग के कार्तिक महीने की अमावस्या को मनाया जाता है।
- यह त्योहार भगवान राम के 14 वर्ष वनवास से लौटने की खुशी में मनाया जाता है।
- इस दिन लोग घरों में घी के दीये जलाते हैं।
- दीपावली पर माता लक्ष्मी व गणेश जी का पूजन किया जाता है।
- दीपावली बुराई पर अच्छाई की जीत और अंधकार पर प्रकाश का प्रतीक है।
- दीपावली पर लोग मिठाई बाँटते हैं और पटाखे जलाते हैं।
- दीपावली के दिन लोग घरों को सजाते हैं।
- दीपावली को दीपों का त्योहार या दीपोत्सव भी कहा जाता है।
- यह खुशी और आनंद का त्योहार है।

ख. 2. गणतंत्र दिवस

- गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है।
- 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था।
- यह दिन भारत के स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्रीय बनने की यात्रा को प्रदर्शित करता है।
- गणतन्त्र दिवस परेड कर्तव्य-पथ पर आयोजित होती है।
- इस दिन के आयोजन में कई दिनों तक कड़ी मेहनत और अभ्यास किया जाता है।
- गणतन्त्र दिवस के समारोह में विभिन्न राज्यों की झाकियाँ भारतीय विविधता और सांस्कृति को दर्शाती हैं।
- भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे।
- इस दिन भारत के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति अपने संबोधन से भारतीय नागरिकों को सम्मानित करते हैं।
- 26 जनवरी की परेड के बाद बीटिंग रिट्रीट समारोह आयोजित होता है, जो एक खास आयोजन है।
- यह दिन देशवासियों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने का अवसर प्रदान करता है।

ग. 3. मेरा गाँव

- मेरा गाँव हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता का अद्‌भुत संगम है।
- यहाँ के लोग सादगी और सहयोग की मिसाल हैं।
- खेतों की महक और ताजी हवा यहाँ के जीवन को अद्वितीय बनाती है।
- गाँव के त्योहार और मेले जीवन में रंग भर देते हैं।
- गाँव की सुबह सूरज की कोमल किरणों और पक्षियों के मधुर संगीत से शुरू होती है।
- यहाँ का वातावरण शुद्ध, शांत और सुकून भरा होता है।
- लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साझेदार बनते हैं, जिससे दिलों में अपनापन बढ़ता है।
- बच्चे यहाँ खुले मैदान में खेलते हैं।
- बच्चे बुजुर्गों से ज्ञान की बातें सीखते हैं।
- मेरा गाँव अपनी परम्पराओं को सँभाले हुए भविष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

घ. 4. हमारा परिवार

- हमारा परिवार एक प्रेम और समर्थन का घर है।
- हमारे परिवार में छः सदस्य हैं।
- हमारे परिवार में माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी शामिल हैं।
- परिवार हमें सिखाता है कि कैसे दूसरों के साथ व्यवहार करना चाहिए।
- परिवार हमें एक मजबूत आधार प्रदान करता है।
- परिवार के हम सभी लोग साथ में घूमने जाते हैं तथा हँसते, खेलते, खुशियाँ मनाते हैं।
- हम सभी एक-दूसरे की मदद करते हैं।
- परिवार हमें एकजुट होने की प्रेरणा देता है।
- परिवार में रहने वाले सदस्य एक-दूसरे से प्यार व सम्मान करते हैं।
- परिवार हमारे लिए बहुमूल्य है अर्थात् जीवन की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है।

हिंदी व्याकरण-3

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

(क) **1.** मौखिक रूप द्वारा।
2. सांकेतिक रूप द्वारा।
3. देवनागरी।

(ख) **1.** भाषा को लिखने के लिए जिन प्रतीक-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं।
2. भाषा के तीन भेद हैं—
(i) मौखिक भाषा, **(ii)** लिखित भाषा, **(iii)** सांकेतिक भाषा।
3. व्याकरण के द्वारा।
4. लिखित।
5. 18 बोली-भाषाएँ।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** स, **5.** अ।

(घ) **1.** तीन, **2.** देवनागरी, **3.** हिन्दी, **4.** व्याकरण।

(ङ) **1.** (✗), **2.** (✓), **3.** (✗), **4.** (✓)।

2. वर्ण विचार

(क) **1.** 8 (आठ)।
2. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।
3. अं, अः।

(ख) **1.** जो वर्ण बिना किसी सहायता के बोले जा सकें, उन्हें स्वर कहते हैं।
2. स्वर के दो भेद होते हैं—
(i) ह्रस्व स्वर, (ii) दीर्घ स्वर।
3. क, ख, ग, घ, ङ।
4. दीर्घ स्वर सात हैं— आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ तथा औ।

(ग) **1.** अ, **2.** स, **3.** ब।

(घ) **1.** राजा — र् + आ + ज् + आ।
2. बरसात — ब् + अ + र् + अ + स् + आ + त् + अ।
3. बचपन — ब् + अ + च् + अ + प् + अ + न् + अ।
4. पालक — प् + आ + ल् + अ + क् + अ ।

(ङ) **1.** छोटी, **2.** अयोगवाह, **3.** स्वरों, **4.** न।

(च) **1.** ई, **2.** क, **3.** न, **4.** प, **5.** त्र।

(छ) खा, री, र, द्याल, हि, र, स, ना, ता।

3. शब्द विचार

(क) **1.** कबूतर **2.** आँख, **3.** ग्राम।

(ख) **1.** वर्णों के वे समूह जो अपना सही व पूरा अर्थ दें, शब्द कहलाते हैं।
2. कल-कल, छल-छल, पों-पों, धक-धक, मल-मल।
3. (i) तत्सम, (ii) तद्भव, (iii) देशज, (iv) विदेशी, (v) पुनरुक्त।
4. कर्ण, अग्नि, सर्प, कर्म, पुष्प।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** अ, **5.** स।

(घ) **1.** गाँव, **2.** आग, **3.** सच, **4.** फूल।

(ङ) **1.** खरगोश, **2.** चिड़िया, **3.** शरबत, **4.** लहर।

4. संज्ञा

(क) **1.** व्यक्तिवाचक, **2.** जातिवाचक, **3.** भाववाचक।

(ख) **1.** किसी वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. आदमी, फर्नीचर, शहर, लड़का, पुस्तक।
3. जिन संज्ञा शब्दों से किसी गुण, भाव या दशा का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
4. राम, दिल्ली, रामायण।
5. जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की सम्पूर्ण जाति का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** स।

(घ)

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मोहन	फर्नीचर	बुढ़ापा
आयुष	पर्वत	जवानी
माउंट एवरेस्ट	विद्यार्थी	खुशी
दिल्ली	कुर्सी, शिक्षक, नेता, पक्षी	

(ङ) **1.** यमुना, **2.** जवानी।

(च) **1.** माता, **2.** रोटी, **3.** पिता, **4.** दरवाजा, **5.** कुर्सी, **6.** बहन, **7.** मेज, **8.** भाई, **9.** कूलर, **10.** पंखा।

5. लिंग

(क) **1.** पुल्लिग, **2.** बाघिन, **3.** पुजारी।

(ख) **1.** शब्द का वह रूप जो पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराता है, लिंग कहलाता है।

2. मामी, नानी, शेरनी, पुजारिन, दादी।

(ग) सही विकल्प पर सही (✓) का चिहन् लगाइए–

1. अ, **2.** द, **3.** स, **4.** अ।

(घ)

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
माली	बहन
देवर	सेठानी
चूहा	श्रीमती
मोर	हिरणी
बतख	गिलहरी
बाज	
उल्लू	
घोड़ा	

(ङ) **1.** शेरनी, **2.** मोर, **3.** चिड़ा, **4.** बँदरिया, **5.** घोड़ा, **6.** नौकरानी, **7.** पुजारिन, **8.** आदमी, **9.** माता, **10.** ग्वालिन, **11.** बहन, **12.** लेखक।

(च) **1.** लड़की पढ़ रही है।

2. पिताजी खाना बजा रहे हैं।

3. मोरनी नाच रही है।

4. गायक गाना गा रहा है।

6. वचन

(क) **1.** घड़ियाँ।

2. दवाई।

3. क्योंकि एक ही रात को दर्शाता है।

(ख) **1.** शब्द का वह रूप जो किसी व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के एक या एक से अधिक होने का बोध कराए, उसे वचन कहते हैं।

2. दो भेद होते है–

(i) एकवचन, **(ii)** बहुवचन।

(ग) **1.** अ, **2.** स, **3.** अ, **4.** ब।

(घ)

एकवचन	बहुवचन
गाय	गायें
कौआ	कौए
टोपी	टोपियाँ

(ङ)

एकवचन	बहुवचन
हाथी	लताएँ
पक्षी	जानवरों
रेतीला	पहाड़ों
खिलाड़ी	बादलों
विद्यालय	घरों
	घोड़े
	कलियाँ

(च)

शब्द	वचन के बदले रूप
पेड़	पेड़ों
पहाड़ों	पहाड़
नदी	नदियाँ
सागर	सागरों
दिनों	दिन
नारी	नारियाँ
पुलों	पुल
मेज	मेजें

(छ) **1.** बच्चा साइकिल चला रहा है।

2. तोते पेड़ों की डालों पर बैठे हैं।

3. छात्रों ने पुस्तकें पढ़ीं।

4. शेर हिरणों के पीछे दौड़ रहा है।

7. सर्वनाम

(क) **1.** सर्वनाम। **2.** संज्ञा के।

(ख) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

(ग) **1.** ब, **2.** स, **3.** ब, **4.** स।

(घ) **1.** आप दिल्ली कब जाओगे।

2. यह मेरा घर है।

3. हम बाजार जाते हैं।

4. चाय में कुछ पड़ा है।

(ङ) **1.** हम, **2.** आप, **3.** तुम, **4.** मैं, **5.** वह।

(च) **1.** हम, **2.** तुम, **3.** मैं, **4.** कुछ।

(छ) **1.** हम, कोई, तुम, वह, हमारा, क्या।

8. विशेषण

(क) **1.** मीठा।

2. रूप-रंग, गुण, स्वभाव, नाप, तौल, संख्या आदि।

3. सफेद।

(ख) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** द।

(घ) **1.** ईमानदार, **2.** सुंदर, **3.** महान, **4.** बुरा, **5.** लाल।

(ङ) **1.** लंबा, **2.** लाल, **3.** चंचल, **4.** मेहनती, **5.** मधुर, **6.** सुंदर।

(च) **1.** पीला, **2.** एक चतुर, मूर्ख, **3.** विद्वान, **4.** मधुर।

9. विराम चिह्न

(क) **1.** वाक्य में जहाँ अल्प विराम से थोड़ा अधिक रुकना पड़े।

2. प्रश्नवाचक वाक्यों में।

3. अल्पविराम का।

(ख) **1.** भाषा के शुद्ध व सही रूप के ज्ञान के लिए विराम-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

2. राम ने खाना खाया।

3. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) तथा प्रश्नवाचक चिह्न (?)।

(ग) **1.** ब, **2.** अ, **3.** स।

(घ) **1.** ।, **2.** ;, **3.** ''-'', **4.** ,।

(ङ) **1.** गाय दुधारू पशु है।

2. क्या तुम मुझे अपनी पुस्तक दोगे ?

3. वाह! क्या सुहावना मौसम है।

4. रमेश बाजार से चावल, चीनी, सब्जी लाया।

10. पर्यायवाची शब्द

(क) **1.** वाणी, शारदा।

2. स्वर्ण।

(ख) **1.** समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची कहते है।

2. शशि, निशाकर, राकेश।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** द।

(घ)

शब्द	पर्यायवाची
हवा	समीर, अनिल, वायु।
आग	अनल, पावक, ज्वाला।

(ङ) **1.** पर्वत— गिरि, अचल, पहाड़।

2. घोड़ा— अश्व, घोटक, तुरंग।

3. पक्षी— खग, विहग, नभचर।

4. घर— गृह, आलय, निकेतन।

(च)

शब्द	पर्यायवाची	वाक्य प्रयोग
धरती	पृथ्वी	पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।
बादल	मेघ	आकाश में काले मेघ छा गए हैं।
सागर	समुद्र	हम छुट्टियों में समुद्र के किनारे गए ।
रात	रात्रि	रात्रि के समय आसमान में तारे दिखाई देते हैं।

11. विलोम शब्द

(क) **1.** विलोम शब्द।

2. अँधेरा।

(ख) विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

(ग) **1.** अ, **2.** ब, **3.** स, **4.** अ।

(घ) **1.** शत्रु, **2.** व्यय, **3.** दूर, **4.** कायर, **5.** कठोर, **6.** शोक **7.** अँधेरा, **8.** रंक।

(ङ)

शब्द	विलोम	वाक्य प्रयोग
सरल	कठिन	यह सवाल बहुत सरल था लेकिन उसके लिए कठिन था।

जल्दी	धीरे	मैं अपने घर जल्दी से गया लेकिन सीता धीरे से आई।
हित	अहित	यह मेरे हित की बात है लेकिन तुम्हारे अहित की है।
उदय	अस्त	सूरज पूरब से उदय होता है और पश्चिम में अस्त होता है।

12. विलोम शब्द

(क) **1.** मुहावरे के प्रयोग से। **2.** तैयार होना। **3.** खाक छानना।

(ख) मुहावरा वह वाक्यांश है जो अपना विशेष अर्थ देता है।

(ग) **1.** अ, **2.** स, **3.** ब।

(घ) **1.** ध्वस्त करना।

2. ऊँचा उठना।

3. बुरा सोचना।

4. बहुत खुश होना।

(ङ) **1.** दाँत खट्टे करना— कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानियों के दाँत खट्टे कर दिए।

2. गुदड़ी का लाल— लालबहादुर शास्त्री तो गुदड़ी के लाल थे।

3. उल्लू सीधा करना— आजकल सब अपना उल्लू सीधा करते हैं।

(च) **1.** बेवकूफ होना— काठ का उल्लू होना।

2. खुशियाँ मनाना— घी के दीए जलाना।

3. भाग जाना— नौ दो ग्यारह होना।

15. निबंध लेखन

(क) 1. हमारा गाँव

मेरा गाँव एक ऐसा अद्‌भुत स्थल है, जो प्राकृतिक सुंदरता और सरसता से भरा हुआ है। यह शांत और हरियाली से घिरा हुआ गाँव है। यहाँ की हवा ताजगी और सुकून से भरी है। हमारे गाँव के खेतों में फसलें हर मौसम में रंग बदलती हैं और यहाँ की नदियाँ व तालाब इस जगह को औश्र भी आकषर्क बनाते हैं। यहाँ के लोग एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर स्नेह से रहते हैं। हालाँकि, हम आधुनिकता की दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने गाँवों की सांस्कृतिक धरोहर और जीवन शैली को सँजोकर रखें। गाँव के बुजुर्ग लोग अपने बच्चों को वहाँ की संस्कृति, त्योहार और परम्पराओं के बारे में बताते हैं। गाँव हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

(ख) 2. नेता जी सुभाषचन्द्र बोस

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, सन् 1897 को ओडिशा के कटक शहर में हिन्दू बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। नेताजी भारत के सबसे महान क्रान्तिकारियों में से एक थे। नेताजी ने 'आजाद हिंद फौज' का गठन किया। इन्होंने ही 'जय हिंद' जैसे कई क्रांतिकारी नारे दिये थे जिससे अंग्रेजी हुकूमत की जड़े कमजोर होना शुरू हो गई थीं। नेताजी ने कई अनमोल वचन भी बोले थे जो इस प्रकार हैं—तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा। सुभाष चन्द्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में वर्ष 1921 को शामिल हुए थे। सुभाषचन्द्र बोस की मृत्यु 18 अगस्त, 1945 में एक विमान दुर्घटना के दौरान हुई थी।

(ग) 3. राष्ट्रीय पशुः बाघ

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। इसका शरीर काफी बड़ा होता है। बाघ का रंग पीला/हल्का भूरा होता है। जिस पर काली धारियाँ होती हैं। इसकी पूँछ लम्बी होती है। इसके चार पैर होते है। इसके दाँत पैने एवं बड़े होते हैं। इसके पंजों में नुकीले नाखून होते हैं। बाघ बिल्ली परिवार से संबंधित होता है। यह बहुत बड़ी बिल्ली की भाँति दिखता है। बाद्य सामान्यतः जंगल में पाया जाता है। इसको खून व मांस बहुत पसन्द है। यह बहुत ही हिंसक एवं क्रूर जानवर होता है।

(घ) 4. स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस भारत देश का एक राष्ट्रीय पर्व है। यह हर साल 15 अगस्त को मनाया जाता है। 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश साम्राज्य से भारत की स्वतंत्रता को याद करने के लिये राष्ट्रीय अवकाश के रूप में इस दिन हर साल झंडा फहराया जाता है। स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। यह दिन बड़ी उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन भारत ने अंग्रेजी शासन से आजादी प्राप्त की थी। स्वतंत्रता दिवस हमें हमारे वीर शहीदों की याद दिलाने तथा उनके समर्थन में एकजुट होने का मौका देता है। हमें समर्पण और देशभक्ति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है ताकि हम देश को समृद्ध और समर्थ बना सकें।

हिंदी व्याकरण-4

1. भाषा और व्याकरण

(क) 1. भाषा।
2. लिखित रूप में।
(ख) 1. भाषा मन के भावों, विचारों को व्यक्त करने और दूसरों तक पहुँचाने का माध्यम है।
2. भाषा के तीन भेद हैं—
(i) मौखिक, **(ii)** लिखित, **(iii)** सांकेतिक।
3. अंपायर मैच के दौरान छक्के के बारे में संकेत देकर बताता है।
4. व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा को शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाया जाता है।
5. व्याकरण का ज्ञान इसलिए आवश्यक है क्योंकि यह हमें भाषा को सही ढंग से समझने और उसका प्रयोग करने में मदद करता है।
(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** ब, **4.** स।
(घ) 1. तुम्हारा, **2.** संदेश, **3.** भाषा, **4.** पढ़कर।
(ङ) 1. (✓), **2.** (×), **3.** (×), **4.** (✓)।

2. संज्ञा

(क) 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा है क्योंकि यह किसी विशेष व्यक्ति का नाम है।
2. सूर्य, पेड़, हवा, पर्वत, चन्द्रमा।
3. भाववाचक संज्ञा है क्योंकि यह शब्द किसी व्यक्ति की अवस्था का बोध करा रहा है।
(ख) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव अथवा दशा को बताने वाले शब्द संज्ञा कहलाते है; जैसे—राम, गंगा।
2. वह संज्ञा जो सम्पूर्ण जाति का बोध कराती है— जातिवाचक संज्ञा कहलाती है। जैसे- औरत, छात्र।
3. वह संज्ञा जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी का बोध कराये व्यक्तिवाचक संज्ञा। जैसे—रीता, हिमालय।
4. वह संज्ञा जो किसी व्यक्ति के गुण, भाव तथा दशा का बोध कराये, भाववाचक कहलाती है, जैसे—बचपन, सीधापन।

(ग)

शब्द	भाववाचक संज्ञा
अच्छा	अच्छाई
जवान	जवानी
सीधा	सीधापन
बच्चा	बचपन

(घ) 1. स, **2.** स, **3.** स, **4.** ब।
(ङ) 1. जातिवाचक, **2.** संज्ञा, **3.** मित्रता, **4.** व्यक्तिवाचक।
(च) 1. (✓), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓)।
(छ) 1. जातिवाचक, **2.** व्यक्तिवाचक, **3.** व्यक्ति वाचक, **4.** जातिवाचक, **5.** जातिवाचक, **6.** व्यक्तिवाचक।

3. सर्वनाम

(क) 1. सर्वनाम। **2.** निश्चयवाचक सर्वनाम।
(ख) 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते है, वे सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे— वह, हम, तुम।
2. सर्वनाम के छः भेद होते है— **(i)** पुरुषवाचक, **(ii)** निश्चयवाचक, **(iii)** अनिश्चयवाचक, **4.** सम्बन्धवाचक, **5.** निजवाचक, **6.** प्रश्नवाचक।
3. जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग 'बात को कहने वाले', 'सुनने वाले' अथवा 'जिसके बारे में बात कही जा रही है, के लिए किया जाता है', उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।
4. अ. मध्यम पुरुष, ब. उत्तम पुरुष, स. अन्य पुरुष।
5. जब 'आप' शब्द स्वयं के लिए प्रयोग किया जाता है तो वह निजवाचक होता है। जैसे— मैं यह काम **अपने आप** कर लूँगा।
6. जिस सर्वनाम में किसी निश्चित वस्तु का बोध होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे— **यह** घर आपका है।
7. जिस सर्वनाम से किसी प्रश्न का बोध हो, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं— जैसे— तुम **कहाँ** रहते हो?
8. जिस सर्वनाम से दो वस्तुओं का आपसी संबंध प्रकट हो, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे— **जो** खाएगा, **वो** बनाएगा।
(ग) 1. ब, **2.** द, **3.** अ, **4.** ब।
(घ) 1. संज्ञा, **2.** आप, **3.** निजवाचक।
(ङ) 1. (×), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓)।

4. विशेषण

(क) **1.** गुणवाचक।
2. 'चौकोर' विशेषण है क्योंकि यह छत की विशेषता बता रहा है।
3. परिमाणवाचक विशेषण।

(ख) **1.** संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे– चार केले, बड़ा हाथी है।

2. विशेषण मुख्यत: चार प्रकार के होते हैं–

1. गुणवाचक विशेषण – ● बिल्ली **भूरी** है। ● वह **बुद्धिमान** है।

2. संख्यावाचक विशेषण – ● सप्ताह में **सात** दिन होते हैं। ● टोकरी में **पाँच** आम हैं।

3. परिमाणवाचक विशेषण – ● मुझे **दो किलो** चीनी चाहिए। ● मोहन ने **दो मीटर** कपड़ा खरीदा।

4. संकेतवाचक विशेषण – ● **यह** उसकी कमीज है। ● **वे** लोग कहीं जा रहे हैं।

(ग) **1.** मेरा घर ऊँचा है।
2. मोहन गरीब लड़का है।
3. मेरा भाई ईमानदार है।
4. तुम बहुत फुर्तीले हो।
5. जिराफ की गर्दन लम्बी है।

(घ) विशेषण शब्द– **1.** (.....) **2.** सत्यवादी, **3.** पाँच सौ, **4.** दो मीटर, **5.** यह।

(ङ) **1.** अच्छा/अच्छी/अच्छे।
2. मायावी।
3. कृपालु/कृपाशील।
4. दैवीय
5. नमकीन।

(च) **1.** अ, **2.** अ, **3.** अ, **4.** ब।

(छ) **1.** चार, **2.** परिमाणवाचक, **3.** विशेषण, **4.** प्यासा।

(ज) **1.** (×), **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×)।

5. क्रिया

(क) **1.** सकर्मक क्रिया। **2.** अकर्मक क्रिया का। **3.** सकर्मक क्रिया का।

(ख) **1.** जो शब्द किसी काम के होने या करने का बोध कराते हैं, उन्हें क्रिया कहते हैं।
2. **(i)** सकर्मक क्रिया, **(ii)** अकर्मक क्रिया।
3. सकर्मक क्रिया में कर्म उपस्थित होता है, जबकि अकर्मक क्रिया में कर्म उपस्थित नहीं होता है।

(ग) **1.** खेत, **2.** कार, **3.** पुस्तक, **4.** रंगोली, **5.** पौधों।

(घ) **1.** मैंने आज लंच में दाल-रोटी खाई।
2. वह प्रतिदिन दो घण्टे पढ़ता है।
3. मैं एक पत्र लिखता हूँ।
4. वह दौड़ने में तेज है।
5. मुझे तुम्हारी आवाज सुनाई दी।

(ङ) **1.** अ, **2.** स, **3.** स।

(च) **1.** कर्म, **2.** लिंग, वचन, **3.** अकर्मक।

6. काल

(क) **1.** भविष्य काल। **2.** भूतकाल। **3.** काल का अर्थ समय होता है।

(ख) **1.** क्रिया के जिस रूप में कार्य का होने का समय पता चले उसे काल कहते हैं।

2. काल के तीन भेद हैं–
(i) वर्तमान काल, **(ii)** भूतकाल, **(iii)** भविष्यकाल।

3. **(i)** सीमा किताब पढ़ रही है।
(ii) तुम क्रिकेट खेलते हो।

4. **(i)** तुमने कल आम खाया।
(ii) मैंने एक साँप देखा।

5. **(i)** सोहन क्रिकेट खेलेगा।
(ii) तुम दिल्ली जाओगे।

(ग) **1.** ब, **2.** ब, **3.** ब।

(घ) **1.** चलाता, **2.** देखा, **3.** जायेगा, **4.** जाती है।

(ङ) **1.** (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓)।

7. लिंग

(क) **1.** रानी और पंडिताइन। **2.** स्त्रीलिंग में। **3.** शिष्य।

(ख) **1.** संज्ञा के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

2. मामी, नानी, कबूतरी, कटोरी, शिक्षिका।

3. मामा, बछड़ा, कबूतर, तोता, दादा।

(ग)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
विद्वान	विदुषी
पुरुष	स्त्री
बछड़ा	बछिया
शिक्षक	शिक्षिका
भगौना	भगौनी
कटोरा	कटोरी

कबूतर	कबूतरी
सेवक	सेविका
गायक	गायिका
हंस	हंसिनी

(घ) **1.** अ, **2.** स, **3.** ब, **4.** द।

(ङ) **1.** चमकीला, **2.** शिक्षिका, **3.** रहा, **4.** रहे।

8. वचन

(क) **1.** पंखे, **2.** बहुवचन, **3.** ताला।

(ख) **1.** एक या एक से अधिक संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।

2. पंखे, ताले, लताएँ, गायें, झंडे।

3. **1.** लड़का, **2.** गाय, **3.** घोड़ा, **4.** पुस्तक, **5.** मोर।

1. **लड़का**—वह लड़का यहाँ रोज खेलने आता है।

2. **गाय**—गाय हरी घास खाती है।

3. **घोड़ा**—घोड़ा तेज दौड़ता है।

4. **पुस्तक**—वह मेरी पुस्तक है।

5. **मोर**— मोर जंगल में नाचता है।

(ग) **1.** अ, **2.** ब।

(घ) **1.** वचन, **2.** कबूतर, **3.** चादरें, **4.** बेटियाँ।

(ङ) **1.** (✓), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓)।

(च) **1.** थैले, **2.** महिलायें, **3.** मेले, **4.** झंडे, **5.** बकरियाँ, **6.** नदियाँ, **7.** मिठाइयाँ, **8.** कक्षाएँ।

9. पर्यायवाची शब्द

(क) **1.** पर्यायवाची शब्द।

2. जलज, पकंज, अम्बुज।

3. जननी।

(ख) **1.** जिन शब्दों के अर्थ समान होते हैं वे शब्द एक-दूसरे के पर्यायवाची या समानार्थी कहलाते हैं।

2. भाषा में पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग करने से भाषा अधिक सुंदर व उसका आकर्षण बढ़ जाता है।

(ग) **1.** सूर्य— रवि, दिनकर।

2. रात— रात्रि, निशा।

3. कमल— जलज, पकंज।

4. आँख— नेत्र, नयन।

5. पानी— जल, नीर।

6. कपड़ा— वसन, वस्त्र।

(घ) **1.** द, **2.** स, **3.** स, **4.** ब।

(ङ) **1.** राजा, **2.** समानार्थी, **3.** वसुधा, **4.** पुष्प।

(च) **1.** (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓)।

10. विलोम शब्द

(क) **1.** निराशा। **2.** रात। **3.** विलोम शब्द।

(ख) **1.** किसी भी शब्द का विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

(ग) **1.** स्वतंत्र, **2.** निरादर, **3.** दु:ख, **4.** अज्ञान, **5.** निराशा, **6.** छोटा।

(घ) **1.** छोटी, **2.** बड़ी, **3.** अप्रसन्न, **4.** कठोर।

(ङ) **1.** अ, **2.** ब।

(च) **1.** खर्चा, **2.** अँधेरा, **3.** रंक, **4.** दोष /अवगुण।

(छ) **1.** (×), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓)।

(ज) **1.** व्यापार से लाभ कमाना बहुत जरूरी है।

2. व्यापार में कभी-कभी हानि भी हो जाती है।

3. मैं रोज सुबह अखबार पढ़ने का आदी हो गया हूँ।

4. गुरु का ज्ञान जीवन प्रकाशित करता है।

5. सोहन मेरा शिष्य है।

6. मैं उसकी ईमानदारी देखकर प्रसन्न हुआ।

7. दानवों की हरकत से देवता अप्रसन्न हो गए।

11. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(क) **1.** सहकर्मी। **2.** बढ़ई। **3.** लोहार।

(ख) **1.** एकल शब्द, जो किसी वाक्य, वाक्यांश या समूह के लिए एक ही अर्थ व्यक्त करता है वह एकल शब्द कहलाता है।

2. भाषा को संक्षिप्त करने में सहायता मिलती है। इनसे वाक्यों में सुन्दरता एवं सजीवता आती है।

(ग) **1.** सुगम, **2.** दर्शनीय, **3.** आजीवन, **4.** मनोहर, **5.** अमूल्य।

(घ) **1.** अ, **2.** ब।

(ङ) **1.** निराकार, **2.** सर्वज्ञ, **3.** ग्रामीण।

12. अनेकार्थी शब्द

(क) **1.** हाथ, टैक्स, किरण, करना।

2. ढंग, उपाय, विषय।

3. गणित का अंक, नाटक का अंक, गोद।

(ख) **1.** ऐसे शब्द जो एक से अधिक अर्थ देते हैं उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

2. अनेकार्थी शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है— अनेक + अर्थी अर्थात् जो शब्द अनेक अर्थ देता हो।

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) 1. इस कविता का गूढ़ अर्थ समझना आसान नहीं हैं।
2. अच्छा व्यापार करने के लिए अर्थ जुटाना जरूरी है।
3. यह समस्या हल करने की विधि है।
4. जन्म और मृत्यु तो विधि का विधान है।

(ङ) 1. इलाज, सेवा, उपाय।
2. निपुणता, ढंग, उपाय, विषय।
3. आकाश, वस्त्र, एक सुंगधित पदार्थ।
4. जल, चमक, शराब।
5. समाधान, खेत जोतने का यंत्र, दशा।

(च) 1. जवाब।
2. मेहमान।
3. आशा।
4. भेद।

13. उपसर्ग

(क) 1. प्रदेश। **2.** अधिकार। **3.** नि:।

(ख) 1. वे शब्दांश जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं— जैसे; देश शब्द में 'प्र' उपसर्ग जोड़ने पर नया शब्द प्रदेश बना।
2. उपसर्ग।

(ग) 1. प्रदेश, प्रहार।
2. सहपाठी, सहभागी।
3. अनादार, अनायास।
4. अभिमान, अभिलाषा।

(घ) 1. सुपात्र।
2. सजल।
3. बिनबोले।
4. अधजला।

(ङ) 1. सु, **2.** अ, **3.** दुर्, **4.** प्र।

(च) 1. समताप, **2.** अधिकार, **3.** सुदेश, **4.** बिन बोया।

(छ) 1. द, **2.** अ, **3.** द, **4.** द।

14. प्रत्यय

(क) 1. लिखने का कार्य या प्रक्रिया।
2. रूहानी।
3. मालदार।

(ख) 1. जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विपरीत परिवर्तन ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे— माल + दार = मालदार।

(ग) 1. द, **2.** द, **3.** अ, **4.** द।

(घ) 1. ई, **2.** अ, **3.** अक, **4.** आई, **5.** ता।

(ङ) 1. जेठानी, **2.** भूखा, **3.** दूधवाला, **4.** मिलनहार, **5.** सुनार।

15. विराम-चिह्न

(क) 1. विराम-चिह्नों से।
2. लाघव चिह्न (०)।
3. वाक्य के अन्त में।

(ख) 1. अपनी बात को पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए तथा भाषा को सुन्दर व आकर्षक बनाने के लिए विराम चिह्न आवश्यक हैं।

2. **(i)** पूर्ण-विराम (।), **(ii)** अर्ध विराम (;),
(iii) अल्पविराम (,), **(iv)** उद्धरण चिह्न (" ")
(v) प्रश्नवाचक चिह्न (?),
(vi) विस्मयादिबोधक चिह्न (!)
(vii) विवरण सूचक चिह्न (:-),
(viii) योजक चिह्न (-)।

3. **1.** सूरज पूरब दिशा में निकलता है।
2. मैंने अपने भाई की शादी में रात-दिन एक कर दी।
3. तुम कहाँ रहते हो ?

(ग) 1. अ, **2.** ब, **3.** स।

(घ) रीता अपने भाई रमेश के साथ बाजार गई। वहाँ से उन्होंने कपड़े, खिलौने और मिठाइयाँ खरीदीं। फिर वे दोनों अपने चाचा के घर गए। चाची ने उनके लिए खीर, पूड़ी व सब्जी बनाई। दोनों ने अपने चचेरे भाई मोहन के साथ मस्ती की और वापस घर आ गए।

16. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

(क) 1. मुहावरे और लोकोक्तियों के प्रयोग से।
2. परास्त करना।
3. बिना किसी नुकसान के काम हो जाना है।

(ख) 1. हिम्मत न हारना।
2. पछताना।
3. चुगली करना।
4. आवश्यकता से बहुत कम प्राप्त होना।
5. बदल जाना।

(ग) 1. अत्यधिक परिश्रम किन्तु लाभ कम।
2. बहाना बनाना या दोष दूसरों पर लगाना।
3. दोहरा लाभ।
4. मूर्खों में कुछ पढ़ा-लिखा व्यक्ति।

(घ) **1.** नाक में दम करना।
2. ऊँट के मुँह में जीरा।
3. ईद का चाँद होना।
4. अक्ल का दुश्मन।
5. आँखें फेर लेना।

(ङ) **1.** अ, **2.** ब, **3.** ब, **4.** स।

17. कहानी लेखन

1. (क) किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसके चार बेटे थे उनकी आपस में बिल्कुल नहीं बनती थी। वे हर बात पर झगड़ते रहते थे जिससे किसान बहुत दुखी रहता था। किसान ने उन्हें बहुत समझाया लेकिन बेटों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

किसान को चिंता होने लगी कि जब वह नहीं होगा तब उसके बेटों का क्या होगा। इस बात से दु:खी किसान एक दिन बीमार पड़ गया। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने अपने बेटों को पास बुलाया और उनसे लकड़ियों का एक गठ्ठर मँगवाया। उसने बारी-बारी से हर बेटे से गठ्ठर तोड़ने को कहा।

बेटों ने अपनी पूरी ताकत लगाकर बारी-बारी से गठ्ठर तोड़ने की कोशिश की, लेकिन वे उसे नहीं तोड़ पाए। फिर उसने गठ्ठर को खोलकर एक-एक लकड़ी तोड़ने को कहा। इस बार बेटों ने लकड़ियों को आसानी से तोड़ दिया।

अब किसान ने अपने बेटों को समझाते हुए कहा कि जिस तरह लकड़ियों का गठ्ठर एकजुट होने पर मजबूत था उसी तरह यदि तुम सब आपस में मिलकर रहोगे तो तुम भी मजबूत रहोगे और तुम्हें कोई भी नुकसान नहीं पहुँचा पाएगा।

किसान की यह बात उसके बेटों को समझ आ गई और उन्होंने आपस में मिलकर रहने की शपथ ली।

शिक्षा-एकता में ताकत होती है।

(ख) यूनान में मीदास नाम का एक राजा था। वह बहुत लालची था। उसे दुनिया की किसी भी चीज़ से ज़्यादा सोना प्रिय था। एक दिन जब मीदास अपने सोने के सिक्के गिन रहा था, तो एक देवदूत ने मीदास से कहा, "तुम बहुत अमीर हो।" मीदास ने कहा, "मैं अमीर नहीं हूँ। मेरे पास बहुत कम सोना है।" देवदूत ने कहा, "इतने सोने से तुम संतुष्ट नहीं हो और कितना चाहते हो?" राजा ने कहा, "मैं एक ऐसा वरदान चाहता हूँ कि जिस भी चीज़ को छूलूँ, वह प्रत्येक वस्तु सोने की हो जाए।" देवदूत ने कहा, "ठीक है, कल सुबह से तुम जो भी छुओगे, वह सोना बन जाएगा।" मीदास का वरदान सच हुआ।

अगली सुबह, जब मीदास ने एक मेज और कुर्सी को छुआ, तो वे सोने की हो गईं। वह बहुत खुश हुआ। जब उसे बहुत भूख और प्यास लगी, तो नौकर उसके लिए खाना और पानी लाया, और जैसे ही उसने भोजन को छुआ, भोजन सोने में बदल गया। उसने पानी को छुआ, वह भी सोने का हो गया। उसने अपनी पुत्री को छुआ तो वह भी सोने की बन गई। मीदास फूट-फूट कर रोने लगा।

देवदूत फिर प्रकट हुआ। राजा ने देवदूत से अपना वरदान वापस लेने का अनुरोध किया। उसने कहा, मुझे सोना नहीं चाहिए। अब मुझे पता चल चुका है कि मनुष्य सोने के बिना तो रह सकता है लेकिन भोजन और पानी के बिना बिल्कुल नहीं रह सकता। देवदूत ने एक कटोरे में थोड़ा पानी लिया और उसे सोने में बदली हुई हर चीज़ पर छिड़कने को कहा। मीदास ने वह पानी अपनी बेटी, मेज़, कुर्सी, भोजन और अपने कपड़ों पर छिड़का। सब कुछ पहले जैसा हो गया।

शिक्षा-इसलिए मनुष्य को लालच नहीं करना चाहिए।

(ग) बरगद के वृक्ष पर एक बंदर और एक गौरैया का जोड़ा रहता था। गौरैया पेड़ की डाल पर अपना घोंसला बनाकर रहती थी। उसने बरसात आने से पहले अपने घोंसले पर दाना-पानी की व्यवस्था कर रखी थी ताकि वह बरसात के दिनों में आराम से रह सके, उसे भोजन के लिए कहीं भटकना न पड़े। एक दिन तेज बारिश हुई। गौरैया का जोड़ा अपने घोंसले में आराम से बैठ गया और बंदर का वर्षा में भीगने से बुरा हाल हो गया।

बंदर को काँपता देख गौरैया ने कहा-"हम पक्षी हैं फिर भी हमने अपना घर बना लिया। तुम तो हमसे बलवान और बुद्धिमान हो। यदि तुमने भी अपना घर बना लिया होता तो आज भीगना न पड़ता।"

गौरैया के इस उपदेश को सुनकर बंदर को क्रोध आ गया। वह उछलता-कूदता हुआ गौरैया के घोंसले के पास गया और घोंसले को नोचकर जमीन में फेंक दिया।

यह देखकर गौरैया बहुत दु:खी हुई। उसे पता चल गया कि मूर्ख को शिक्षा देना उससे भी बड़ी मूर्खता है।

शिक्षा-मूर्ख को शिक्षा देना मूर्खता है।

2. (क) कछुआ और खरगोश

एक समय की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वह हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरों का मजाक भी उड़ाता।

एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने

खरगोश की चुनौती स्वीकार कर ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया।

जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई, खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुँचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, 'कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहाँ तक पहुँचने में काफी समय लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए।' यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा।

पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आँख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुँच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियाँ बजानी शुरू कर दीं। तालियों की गूँज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वह दौड़कर जीत की रेखा तक पहुँचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था। अब खरगोश पछताता रह गया।

शिक्षा—जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी-न-कभी टूटता जरूर है।

(ख) प्यासा कौआ

गर्मी के दिन थे। आसमान से आग बरस रही थी और चारों तरफ सूखा पड़ा था। एक कौआ बहुत प्यासा था। वह आसमान में उड़ता हुआ इधर-उधर पानी की तलाश कर रहा था। काफी देर तक उड़ने के बाद, उसे एक घड़ा दिखाई दिया जो एक पेड़ के नीचे रखा था। कौआ खुशी से नीचे उतरा और घड़े में झाँका, लेकिन घड़े में बहुत ही कम पानी था। पानी इतना नीचे था कि उसकी चोंच वहाँ तक नहीं पहुँच पा रही थी। कौआ परेशान हो गया और सोचने लगा कि अब क्या किया जाए? तभी उसकी नजर पास पड़े कंकड़ों पर गई। उसे एक बुद्धिमत्ता भरा उपाय सूझा।

वह एक-एक करके कंकड़ उठाकर घड़े में डालने लगा। जैसे-जैसे कंकड़ गिरते गए, पानी ऊपर उठता गया। कुछ देर बाद पानी घड़े की गर्दन तक आ गया। अब कौए की चोंच पानी तक पहुँच गई। उसने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई। फिर वह राहत महसूस करते हुए उड़ गया।

शिक्षा—मुश्किल घड़ी में भी यदि धैर्य, बुद्धि और मेहनत से काम लिया जाए तो समस्या का हल अवश्य मिल सकता है।

18. पत्र-लेखन

(क) फीस माफ करवाने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र—

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाध्यापक जी

(स्कूल का नाम—)

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे पिता एक गरीब मजदूर हैं। वे हमारा पालन-पोषण मुश्किल से कर पाते हैं। मेरी पढ़ने में बहुत रुचि है, किन्तु मेरे पिता शुल्क देने में असमर्थ हैं। अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि मेरा विद्यालय शुल्क माफ करने का कष्ट करें।

आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम— .....

कक्षा— .....

दिनांक— .....

(ख) पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त करने के लिए प्राधानाचार्य जी को पत्र—

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाध्यापक जी

(स्कूल का नाम—)

विषय — पुस्तकालय के पुस्तकें प्राप्त करने हेतु।

महोदय,

मैं (आपका नाम), (स्कूल का नाम) में (आपकी कक्षा/ग्रेड) का छात्र हूँ। मैं पुस्तकालय से 15 दिनों की अवधि के लिए (पुस्तक का शीर्षक) नामक पुस्तक जारी करने का अनुरोध करने के लिए पत्र लिख रहा हूँ। मुझे अपनी आगामी परीक्षाओं की तैयारी के लिए इस पुस्तक की आवश्यकता है। इसलिए प्रार्थना है कि मुझे पुस्तक देने की कृपा करें। मैं आपका आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

छात्र का नाम— .....

कक्षा— .....

दिनांक— .....

(ग) जन्म-दिवस पर अपने मित्र को निमंत्रण-पत्र—

पता—

प्रिय मित्र (मित्र का नाम)

सस्नेह प्रेम!

तुम्हें यह जानकर खुशी होगी कि अगले माह (दिनांक और महीना लिखें) मेरा जन्मदिन है। इस अवसर पर हमारे घर एक कार्यक्रम का आयोजन होने वाला है। तुम्हारे आने से हमारी खुशी दोगुनी हो जाएगी। अत: मेरे विनम्र निवेदन को स्वीकार करते हुए, मेरे यहाँ पधारकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाना।

माताजी व पिताजी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र— .....

नाम— .....

19. निबंध-लेखन

1. प्रात:कालीन सैर

प्रात:काल जब चारों ओर शांति छायी होती है, पक्षियों की मधुर चहचहाहट सुनाई देती है और ताजी हवा बह रही होती है, तब सैर पर जाना एक अद्भुत अनुभव होता है। इस समय सैर करने से शरीर में नई स्फूर्ति आती है। ऑक्सीजन भरपूर मात्रा में मिलती है, जिससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है। सुबह की सैर केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करती है। प्रात:कालीन वातावरण में सैर करने से मन प्रसन्न रहता है और दिन-भर उत्साह बना रहता है।

2. दशहरा

दशहरा हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह आश्विन मास में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन श्रीराम ने अन्यायी और दुराचारी रावण का वध किया था। इसी खुशी में यह त्योहार मनाया जाता है। इस दिन कई जगहों पर पहले रामलीला प्रारंभ हो जाती है तथा बाद में राम-रावण युद्ध की लीला होती है। श्रीराम, रावण को हराकर उसका वध कर देते हैं। इसके बाद रावण का पुतला जलाया जाता है। यह त्योहार अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है।

3. रक्षा बंधन का त्योहार

रक्षा बंधन भारत का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार है। जो भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बाँधती हैं और उनकी लंबी उम्र तथा सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है जो प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है। यह हमें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने और एक-दूसरे की देखभाल करने की प्रेरणा देता है।

4. नेता जी सुभाषचन्द्र बोस

नेता जी सुभाषचन्द्र बोस भारत के महान स्वतंत्रता-सेनानी थे। उनका जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती देवी था। वे पढ़ाई में बहुत तेज थे और इंग्लैड से आई.सी.एस. की परीक्षा पास की थी, लेकिन देश की सेवा के लिए उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी। सुभाषचंद्र बोस में देशभक्ति की भावना बचपन से ही थी। वे महात्मा गाँधी के विचारों से प्रभावित थे, लेकिन बाद में उन्होंने स्वतंत्रता के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना। उन्होंने 'आजाद हिन्द फौज' का गठन किया और नारा दिया— 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।' नेता जी सुभाषचन्द्र बोस एक सच्चे देशभक्त और महान नेता थे। इनकी मृत्यु 18 अगस्त, 1945 में एक विमान दुर्घटना के दौरान हुई थी।

हिंदी व्याकरण-5

1. भाषा एवं व्याकरण

सोचो और बताओ—

1. भाषा के माध्यम से।

2. तीन रूप हैं।

3. हिन्दी।

(क) 1. मौखिक भाषा, **2.** लिखित भाषा, **3.** सांकेतिक भाषा।

2. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए उसे उद्देश्य कहते हैं।

3. जिस साधन के द्वारा हम भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, लिखना व पढ़ना सीखते हैं, उसे व्याकरण कहते हैं।

4. हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है।

5. दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बनी इकाई को शब्द कहते हैं।

(ख) 1. (द) लिपि

2. (अ) लिखित

3. (द) ये सभी

4. (ब) शब्दों का समूह

(ग) 1. तीन

2. वर्ण

3. भाषा

4. दो

(घ) 1.

सार्थक शब्द	निरर्थक शब्द
राजू	वाय
कबूतर	फामू
तोता	वाम
गिलहरी	वकड़ी

(ङ) उद्देश्य-बच्चे

विधेय-पतंग उड़ा रहे हैं।

(च) क्रियाकलाप/गतिविधि

1. (✓)

2. (✗)

3. (✓)

4. (✗)

2. वर्ण विचार

(क) सोचो और बताओ—

1. दो भेद होते हैं— (i) स्वर, (ii) व्यंजन।

2. स्वर के दो उदाहरण अ और आ हैं। 'अ' एक ह्रस्व स्वर तथा 'आ' एक दीर्घ स्वर है।

3. स्वर की संख्या 11 तथा व्यंजन की संख्या 33 होती है।

(क) 1. भाषा की वह सबसे छोटी इकाई जिसके खण्ड नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

2. वर्ण के दो भेद होते हैं—(i) स्वर, (ii) व्यंजन।

3. स्वरों के चिह्न अथवा उनके उच्चारण में लगने वाला समय मात्रा कहलाता है।

4. व्यंजन तीन प्रकार के होते हैं—(i) स्पर्श व्यंजन, (ii) ऊष्म व्यंजन, (iii) अन्त:स्थ व्यंजन।

5. संयुक्त व्यंजन चार होते हैं— क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

6. अयोगवाह वर्ण हैं—

अं-अंगूर, शंख, पंखा, अंक।

अ:-प्रात:, अत:, दु:ख, पुन:।

7. (i) ा - आम, राम, (ii) ि - शिव, दिन, (iii) ी -गीत, खीर, (iv) ू - फूल, दूध।

(ख) 1. (अ) 11

2. (स) झ

3. (स) चार

4. (ब) 33

(ग) 1. तीन

2. वर्णमाला

3. मात्रा

(ङ) 1. (✓)

2. (✗)

3. (✓)

4. (✗)

5. (✓)

6. (✗)

7. (✓)

3. शब्द विचार

सोचो और बताओ—

1. दो या दो से अधिक वर्णों का समूह शब्द कहलाता है।

2. तत्सम शब्द।

3. दो भेद हैं।

(क) 1. जो वर्ण-समूह अपना निश्चित अर्थ देते हैं, सार्थक शब्द कहलाते हैं।

2. संस्कृत भाषा के वे शब्द जो बिना किसी परिवर्तन के हिन्दी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं; जैसे— अक्षि, पुत्र।

3. (i) हवा, **(ii)** आँख **(iii)** पूत, **(iv)** दूध, **(v)** आग।

4. रचना की दृष्टि से शब्दों के तीन भेद हैं—
(i) रूढ़, **(ii)** यौगिक, **(iii)** योग रूढ़।

5. जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं उन्हें हम यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे— **(i)** विद्या + आलय = विद्यालय, **(ii)** टिकट + घर = टिकटघर।

6. क्रिया-विशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक आदि होते हैं जो लिंग, कारक, वचन आदि के द्वारा बदले नहीं जा सकते हैं।

(ख) 1. (अ) दो

2. (अ) हिमालय

3. (स) योगरूढ़ शब्द का

4. (ब) रेल

(ग) 1. शब्द

2. विकारी

3. संस्कृत

4. तीन

(घ) 1. (✓)

2. (×)

3. (✓)

4. (×)

(ङ)

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
पुस्तक	करतब	कटोरा	फायदा
वृक्ष		पाजामा	खिलाफ
		सरपंच	मेहरबानी
			गमला
			डॉक्टर

4. संज्ञा

सोचो और बताओ—

1. जातिवाचक संज्ञा का।

2. दुर्बलता।

3. भाववाचक संज्ञा

(क) 1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

2. संज्ञा के तीन भेद हैं— **(i)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, **(ii)** जातिवाचक संज्ञा, **(iii)** भाववाचक संज्ञा।

3. किसी वस्तु, प्राणी या स्थान के गुण, दोष, स्वभाव आदि का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

4. ताजमहल, यमुना, भारत, जयपुर, रामायण।

(ख) 1. (अ) राम

2. (अ) गाय

3. (ब) अपनापन

4. (स) बंदर

(ग) 1. सुंदरता

2. बचपन

3. दौड़

4. चतुराई

5. ईमानदारी

6. खटास

(घ) 1. (✓)

2. (✓)

3. (×)

4. (✓)

(ङ)

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
रीता	कक्षा	चतुराई
यमुना	कवि	सुंदरता
संसद-भवन	घड़ी	हरियाली
आयुष	पेन्सिल	
हिमालय	गाय	
	पर्वत	

5. लिंग

सोचो और बताओ—

1. स्त्रीलिंग।

2. स्त्रीलिंग।

3. पुल्लिग।

(क) 1. जो संज्ञा शब्द स्त्री-जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं। उदाहरण— मौसी, रानी।

2. जो संज्ञा शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं। वे पुल्लिंग कहलाते हैं। उदाहरण— मौसा, राजा।

3. जो शब्द पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे लिंग कहलाते हैं। लिंग के दो भेद होते हैं—

(i) पुल्लिंग

(ii) स्त्रीलिंग।

(ख) 1. (अ) श्याम

2. (ब) बालिका

3. (स) सब्जियों के नाम

4. (द) पर्वतों के नाम

(ग)

शब्द	लिंग
नाई	पुल्लिग
भाई	पुल्लिग
जेठ	पुल्लिग
गुणवान	पुल्लिग
विदुषी	स्त्रीलिंग
ऊँटनी	स्त्रीलिंग
हंस	पुल्लिग
युवक	पुल्लिग
बैल	पुल्लिग

(घ)

शब्द	लिंग
मामा —	मामी
नायक —	नायिका
पुरुष —	स्त्री
राजा —	रानी
मोर —	मोरनी
चुहिया —	चूहा
लोहार —	लोहारिन
चाची —	चाचा
वधू —	वर
ऊँट —	ऊँटनी
युवक —	युवती
कृषिक —	कृषक

6. वचन

सोचो और बताओ—

1. बहुवचन।

2. बहुवचन का।

3. बधुएँ।

(क) 1. संज्ञा शब्द का वह रूप जो उसकी संख्या का बोध कराता है, उसे वचन कहते हैं।

2. संज्ञा शब्द के जो रूप एक वस्तु या प्राणी का बोध कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं; जैसे— लड़का, किताब, गाड़ी, लड़की।

3. संज्ञा शब्द के जो रूप एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं; जैसे—लड़कियाँ, किताबें, गाड़ियाँ, लड़कें।

(ख) 1. मधुमक्खी

2. वधू

3. विद्यार्थी

4. अध्यापक

(ग) 1. (अ) वस्तुएँ

2. (ब) लोटा

3. (स) आँसू

4. (द) सड़कें

(घ)

1.	जाति—जातियाँ
2.	हवेली—हवेलियाँ
3.	ऋतु—ऋतुएँ
4.	प्रजा—प्रजाएँ
5.	माला—मालाएँ
6.	प्रति—प्रतियाँ
7.	बकरा—बकरे
8.	कपड़ा—कपड़े
9.	थाली—थालियाँ

10.	झील—झीलें
11.	सेना—सेनाएँ
12.	नदी—नदियाँ

(ङ)

एकवचन	बहुवचन
रोटी	बच्चे
दीवार	निधियाँ
थाली	शिक्षकगण
इमारत	पुस्तकें
रुपया	पहिए
	बस्ते

7. कारक

सोचो और बताओ—

1. कर्म का।

2. संबंध कारक।

3. सम्बोधन कारक।

(क) 1. संज्ञा तथा सर्वनाम के जिस रूप से उसके क्रिया व वाक्य के अन्य पदों के साथ संबंध का पता चले, उसे कारक कहते हैं।

2. कारक आठ प्रकार के होते हैं। दो के नाम इस प्रकार हैं— **(i)** कर्ता कारक,

(ii) कर्म कारक।

3. क्रिया के आधार को बताने वाला संज्ञा का रूप अधिकरण कारक कहलाता है।

(ख) 1. (अ) ने

2. (अ) कर्म कारक का

3. (ब) माताजी के लिए

4. (ब) अधिकरण कारक का

(ग) 1. कर्ता कारक

2. कर्म कारक

3. सम्प्रदान कारक

4. अधिकरण कारक

(घ) 1. ने, को

2. के लिए

3. का

4. से

8. सर्वनाम

सोचो और बताओ—

1. तुम, आप, तुम्हारा, आपका।

2. अनिश्चयवाचक सर्वनाम।

3. पुरुषवाचक सर्वनाम।

(क) 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।

2. सर्वनाम के छः भेद होते हैं।

3. दूसरे व्यक्ति से बात करते समय आदर-सम्मान प्रकट करने के लिए।

4. जो-सो, जैसा-वैसा।

(ख) 1. (अ) तुम

2. (ब) इसे

3. (अ) जो-सो

4. (स) कौन

(ग) 1. मैं अपना काम कर रहा हूँ।

2. अध्यापिका हमें समझा रही हैं।

3. जरा देखो तो बाहर कोई खड़ा है।

4. तुमने उसकी पुस्तक क्यों ली?

(घ) 1. आप क्या कर रहे हैं?

2. इसे मत छुओ।

3. मैं खाना खा रहा हूँ।

4. यह मेरा घर है।

9. विशेषण

सोचो और बताओ—

1. सुन्दरतम।

2. सात खिलौने अर्थात् कुछ कि जगह कोई भी संख्या।

3. लघु।

(क) 1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

2. विशेषण के चार भेद हैं—

(i) गुणवाचक विशेषण

(ii) संख्यावाचक विशेषण

(iii) परिमाणवाचक विशेषण

(iv) संकेतवाचक विशेषण

3. जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष आदि का बोध होता है, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

(ख) **1.** (अ) विशेषण
2. (ब) गुणवाचक विशेषण
3. (स) सुंदरतम

(ग) **1.** उत्तमावस्था
2. मूलावस्था
3. उत्तमावस्था
4. मूलावस्था
5. मूलावस्था
6. उत्तरावस्था
7. उत्तमावस्था
8. उत्तरावस्था

(घ) **1.** राहुल एक चतुर बालक है।
2. सोहन थोड़ा मंदबुद्धि का है।
3. सीता बहुत बुद्धिमान लड़की है।

(ङ) **1.** ऊँचा
2. छोटा
3. महान
4. मीठा
5. कड़वा
6. दुर्बल, मोटी।

10. क्रिया

सोचो और बताओ—

1. क्रिया।
2. खाना, दौड़ना, सोना, हँसना, पढ़ना।

(क) **1.** जो शब्द किसी काम के होने या करने का बोध कराते हैं, उन्हें क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के दो भेद होते हैं— **(i)** सकर्मक क्रिया **(ii)** अकर्मक क्रिया।
3. अकर्मक क्रिया को कर्म की आवश्यकता नहीं होती है, जबकि सकर्मक क्रिया को कर्म की आवश्यकता होती है।

(ख) **1.** (अ) सोना
2. (स) पढ़ना

(ग) **1.** खिलाड़ी खेल रहे हैं।
2. चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
3. मैं सो रही हूँ।
4. माँ खाना खा रही है।

11. काल

सोचो और बताओ—

1. दौड़ेगा।
2. खाना खा रहा है।
3. वर्तमान काल में क्रिया वर्तमान समय में हो रही होती है; जबकि भूतकाल में क्रिया बीते हुए समय में हो चुकी होती है।

(क) **1.** क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
2. **(i)** वर्तमान काल, **(ii)** भूतकाल, **(iii)** भविष्यकाल।
3. क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के आने वाले समय का बोध होता है। भविष्यत् काल कहलाता है। **(i)** मैं कल जाऊँगी। **(ii)** तुम पत्र लिखोगी।
4. **(i)** तुम किताब पढ़ रहे हो।
(ii) सूरज निकलता है।

(ख) **1.** (अ) भविष्यत् काल
2. (ब) भूतकाल
3. (स) भूतकाल

(ग) **1.** भविष्यत् काल
2. भूतकाल
3. वर्तमान काल
4. भविष्यत् काल

(घ) **1.** मैंने आम खाया।
2. हम तुम कल सिनेमा देखेंगे।
3. हमने कुशलता का समाचार सुना।
4. मोनू स्कूल जाता है।

12. क्रिया-विशेषण

सोचो और बताओ—

1. 'तेजी से' या जल्दी से।
2. कालवाचक क्रिया-विशेषण।
3. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण।

(क) **1.** जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं।
2. **(i)** कालवाचक क्रिया-विशेषण,
(ii) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण,
(iii) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण,
(iv) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण।

(ख) **1.** (अ) परिमाणवाचक
2. (ब) तनिक

(ग) **1.** पर
2. थोड़ा-सा
3. अचानक
4. खूब

13. विराम-चिह्न

सोचो और बताओ—

1. थोड़ी देर रुकने के लिए।

2. प्रश्नसूचक (?)।

3. योजक चिह्न (-)।

(क) 1. विराम-चिह्न ऐसे संकेत हैं जो लिखते समय वाक्य में रुकने या ठहरने की जगह बताते हैं।

2. (i) अल्प विराम, **(ii)** अर्ध विराम, **(iii)** पूर्ण विराम, **(iv)** विस्मयबोधक, विराम चिह्न।

3. वाक्य या कथन के पूर्ण होने पर पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है। **उदाहरण—** भारत की राजधानी नई दिल्ली है।

4. वाक्य में अल्पविराम की अपेक्षा थोड़ी देर अधिक रुकने के लिए अर्ध-विराम लगाया जाता है।

5. विस्मयबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है।

(ख) 1. (अ) (;)

2. (ब) (?)

3. (स) (!)

(ग) 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश आजाद हुआ। अत: इस दिन को प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्रता के लिए भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाषचन्द्र बोस जैसे अनेक वीरों ने अपनी कुर्बानियाँ दीं। आखिर हमारे लिए स्वतंत्रता का क्या मोल है?

14. पर्यायवाची शब्द

सोचो और बताओ—

1. कमल का।

2. बादल का।

3. रवि, दिनकर।

(क) 1. परस्पर समान अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची/समानार्थी कहलाते हैं।

2. घर—गृह, भवन, सदन
मित्र—दोस्त, सखा, मीत

(ख) 1. (अ) सुधा

2. (द) अंतरिक्ष

3. (ब) हवा का

(ग) 1. कमल

2. आकाश

3. सूर्य

4. सोना

5. दिन

15. विलोम (विपरीतार्थी) शब्द

सोचो और बताओ—

1. जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

2. रानी।

3. पतन।

(क) 1. जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ बताते हैं, वे विलोम शब्द कहलाते हैं।

2. निर्भय-भयभीत, स्वाधीन-पराधीन, निर्बल-सबल।

(ख) 1. (अ) व्यय

2. (ब) यश

3. (स) अनेकता

4. (द) अंत

(ग) 1. गरीब

2. कठोर

3. दोष

4. पाताल

5. बुरा

16. वाक्यांश के लिए एकल शब्द

सोचो और बताओ—

1. मासिक।

2. सार्थक।

3. दुराचारी।

(क) 1. अनेक शब्दों के समूह के अर्थ को एक शब्द के द्वारा प्रकट करने वाले शब्द 'एकल शब्द' कहलाते हैं।

2. विधवा।

(ख) 1. (अ) जलचर

2. (ब) आस्तिक

3. (स) सरस

4. (ब) निर्बल

(ग) 1. विद्यालय

2. सर्वज्ञ

3. सहपाठी

4. दूरदर्शी

5. अद्वितीय

17. युग्म शब्द

सोचो और बताओ—

1. पूछ—प्रश्न पूछना।
पूँछ—किसी जानवर की पूँछ।
2. किनारा।
3. भाग्य।

(क) 1. जो शब्द सुनने में एक-जैसे लगते हैं, लेकिन उनके अर्थ अलग होते हैं, उन्हें युग्म शब्द कहते हैं।
2. (i) दिन-दीन, **(ii)** पवन, पावन,
(iii) मेला-मैला।

(ख) 1. (अ) दूसरा
2. (ब) प्रारंभ

(ग) 1. हवा— तेज पवन चल रही है।
पवित्र— गंगा नदी को पावन माना जाता है।
2. समय की इकाई— आज बहुत सुहावना दिन है।
असहाय— भगवान को दीन-दुखियों पर दया आती है।
3. लंबे समय तक— वीरों की गाथा चिर स्मरणीय रहेगी।
वस्त्र— श्रीकृष्ण ने द्रौपदी का चीर बढ़ाया।
4. इमारत— यह बहुत सुंदर भवन है।
संसार— संपूर्ण भुवन ईश्वर की रचना है।

18. उपसर्ग

सोचो और बताओ—

1. अधि।
2. सम्मान, सम्बन्ध, सम्भव।
3. बिनब्याही, बिनबोया।

(क) 1. जो शब्द मूल शब्द के आगे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
1. अध- अधजल, अधमरा, अधपका
अभि- अभिमान, अभियोग, अभिशाप
उप- उपकार, उपहार, उपवास

(ख) 1. (अ) उन
2. (ब) निर्
3. (स) अधि

(ग) 1. संतोष
2. उपदेश
3. बदचलन
4. कुपोषण
5. अन्वय
6. निर्दोष

(घ) 1. बहु + वचन
2. अभि + योग
3. स + कुशल
4. दुर् + मति
5. परा + क्रम
6. सर + पंच
7. उप + वन

19. प्रत्यय

सोचो और बताओ—

1. मुखिया, रसिया।
2. अधिकारी।
3. धोखेबाज, नशेबाज, चालबाज।

(क) 1. जो शब्दांश किसी शब्द के अन्त में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
2. उपसर्ग शब्द के पहले लगते हैं तथा प्रत्यय शब्द के बाद लगते हैं। जैसे उपसर्ग— **अधि** + कार = अधिकार
प्रत्यय— मुख + **इया** = मुखिया

(ख) 1. (द) मित्रता
2. (स) नाई
3. (द) सजावट
4. (अ) शक्तिमान

(ग) 1. मचलती
2. भड़क
3. पहनती
4. सींभलती
5. चलाती
6. भेजती
7. खुलती
8. जलती
9. लहराती

20. मुहावरे

सोचो और बताओ—

1. तैयार होना।
2. आँख का तारा होना—बहुत ज्यादा होना।
ईद का चाँद होना—बहुत दिनों बाद दिखाई देना।
3. नौ दो ग्यारह होना।

(क) 1. वे वाक्यांश जो अपना साधारण अर्थ न देकर विशिष्ट अर्थ देते हैं, मुहावरे कहलाते हैं।
2. दखल देना।

वाक्य प्रयोग— मोनू ने सोहन के कार्य में टाँग अड़ा दी और सारा मामला उल्टा हो गया।

(ख) 1. (अ) अनुभवी होना

2. (स) टेढ़ी खीर होना

(ग) 1. ललचाना।

2. क्रोध करना।

3. बहुत तेज भागना।

(घ) 1. प्रसन्न होना

2. बुरी तरह गिरना

3. नियम विरुद्ध कार्य करना

4. कुछ भी असर न होना

5. नाश करना

21. लोकोक्तियाँ

सोचो और बताओ—

1. मुहावरा एक वाक्यांश होता है; जबकि लोकोक्ति एक पूरा वाक्य होती है।

2. चमत्कार।

(क) 1. लोक में प्रचलित कहावतें जो अपना विशेष अर्थ देती हैं तथा लंबे समय से चली आ रही हैं, लोकोक्ति कहलाती हैं।

2. बड़ा दिखाबा, पर भीतर से खोखला।

(ख) 1. (अ) छोटा व्यक्ति ज्यादा उछल-कूद करता है

2. (ब) हाथ कंगन को आरसी क्या

(ग) 1. मुसीबत या झगड़े की जड़ को नष्ट कर देना।

2. कवि कल्पनाशील होता है।

(घ) अवसर बीत जाने पर पछताने से क्या फायदा।

वाक्य प्रयोग- सालभर तो पढ़ाई नहीं की, अब फेल होने पर रोने से कोई लाभ नहीं। कहावत तो सुनी होगी कि अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

23. निबंध

(क) मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय मेरे जीवन का महत्वपूर्ण स्थान है। मेरे विद्यालय में बहुत अच्छे शिक्षक हैं जो हमें पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे मूल्य भी सिखाते हैं। विद्यालय का वातावरण बहुत अच्छा है और यहाँ हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम से रहते हैं। मेरे विद्यालय के सभी शिक्षक अपने विषयों में निपुण हैं। हमारे विद्यालय में एक पुस्तकालय, बीस अध्ययन कक्ष, एक विज्ञान प्रयोगशाला, संगीत कक्ष, प्रधानाकक्ष, स्टाफ कक्ष तथा खेलने का मैदान भी हैं। हमारे विद्यालय से हर वर्ष वार्षिक उत्सव और विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। मैं अपने विद्यालय को बहुत पसन्द करता हूँ क्योंकि यह हमें विषय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक शिक्षा का भी ज्ञान देता है। मुझे अपने विद्यालय पर गर्व है।

(ख) मेरा प्रिय नेता

मेरे प्रिय नेता सुभाषचन्द्र बोस हैं। ये एक महान स्वतन्त्रता-सेनानी थे। उनका जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक में हुआ था। इनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस कटक के एक मशहूर वकील थे। इनकी माता प्रभावती थीं। वे अपनी माँ के 14 बच्चों में 9वीं संतान थे। इन्होंने बी.ए. की परीक्षा कलकत्ता विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। सन् 1920 में नेता जी प्रशासनिक परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त करके उत्तीर्ण हुए। नेता जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर क्रांतिकारी नायकों में से एक थे। भगत सिंह को फाँसी होने के बाद इनका गांधी जी से राजनीतिक मतभेद शुरू हो गया। 1938 में उन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया, लेकिन बाद में इन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और "आजाद हिन्द फौज" का गठन किया। नेता जी सुभाषचन्द्र की मृत्यु 18 अगस्त, 1945 को एक विमान दुर्घटना में हुई थी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी विरासत जीवित रही और वे भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई।

(ग) वृक्षों के लाभ

वृक्ष हमारे जीवन में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण को भी संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं। वृक्षों के कई लाभ हैं जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं—

1. वृक्ष हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। वे कार्बन डाइ ऑक्साइड को अवशोषित कर और ऑक्सीजन छोड़कर वातावरण को शुद्ध बनाते हैं।

2. वृक्ष मिट्टी के क्षरण को रोकने में मदद करते हैं। उनकी जड़ें मिट्टी को मजबूती से पकड़ती हैं और उसे बहने से बचाती है। इससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है और कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

3. वृक्ष जीव-जन्तुओं के लिए छाया और आवास प्रदान करते हैं। वे उनके रहने और खाने का स्थान होते हैं और जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
4. वृक्ष तापमान नियंत्रित करते हैं तथा वातावरण में संतुलन बनाए रखते हैं। अत: वृक्ष हमें फल, लकड़ी, औषधि और अन्य संसाधन प्रदान करते हैं। ये संसाधन हमारे दैनिक जीवन में उपयोगी होते हैं और हमारी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

(घ) मुझे पुरस्कार मिला

मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल था जब मैं कक्षा 5 में पढ़ता था। हमारे विद्यालय में वार्षिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मैंने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और "पर्यावरण संरक्षण" विषय पर भाषण दिया। मैंने इस विषय पर गहराई से तैयारी की थी और भाषण आत्मविश्वास से दिया। जब परिणाम घोषित हुआ तो मेरा नाम पहले स्थान पर लिया गया। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैंने यह पुरस्कार जीत लिया है। मंच पर मुझे बुलाकर ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और एक पुस्तक उपहारस्वरूप दी गई। पुरस्कार प्राप्त करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे जीवन के सुनहरे पलों में से एक था। उस दिन मुझे समझ आ गया था कि कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से हम किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

24. कहानी लेखन

1. खरगोश और कछुआ

एक जंगल में एक तेज दौड़ने वाला खरगोश रहता था। वह अपनी तेज गति पर बहुत गर्व करता था और अक्सर अपने दोस्तों को नीचा दिखाता था। एक दिन, उसने एक धीमी गति से चलने वाले कछुए को देखा और उसका मजाक उड़ाया। कछुए ने खरगोश से कहा, "चलिए, हम एक दौड़ लगाते हैं और देखते हैं कि कौन जीतता है?" खरगोश ने हँसते हुए कहा, "तुम मेरे साथ दौड़ में कैसे जीत सकते हो?" मैं तो तुम्हारे मुकाबले बहुत तेज हूँ। दोनों ने एक निश्चित दूरी तय करने के लिए दौड़ का मैदान चुना और दौड़ शुरू हुई। खरगोश ने शुरुआत में ही बहुत तेज गति से दौड़ना शुरू किया और कछुए से आगे निकल गया। खरगोश ने सोचा कि कछुआ मुझसे काफी पीछे है इसलिए मैं थोड़ा आराम कर लेता हूँ। वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और सो गया। इधर, कछुआ धीरे-धीरे लेकिन लगातार चलता रहा। उसने खरगोश को सोते हुए देखा लेकिन लगातार चलता रहा। इस तरह कछुआ खरगोश से आगे निकल गया और बाजी जीत गया।

शिक्षा- धैर्य और निरंतर प्रयास से हमें सफलता अवश्य मिलती है।

2. शेर और चूहा

एक बार एक जंगल में, एक शेर आराम से सो रहा था। एक छोटा चूहा, जो शरारती था शेर के ऊपर कूदने लगा। शेर जागा और उसने चूहे को पकड़ लिया। शेर गुस्से में था और चूहे को मारने ही वाला था। तभी चूहे ने डर के मारे शेर से दया की भीख माँगी और कहा कि वह भविष्य में उसकी मदद करेगा। शेर ने सोचा कि एक छोटा-सा चूहा उसकी क्या मदद करेगा, लेकिन फिर भी उसने दया दिखाई और चूहे को जाने दिया। कुछ दिनों बाद, शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। वह बहुत जोर-से दहाड़ने लगा, लेकिन कोई भी उसे बचाने नहीं आया। चूहे ने शेर की दहाड़ सुनी और उसे बचाने के लिए भागा। चूहे ने अपने तेज दाँतों से जाल को कुतरना शुरू कर दिया और शेर को जाल से आजाद करा दिया। शेर ने चूहे को धन्यवाद दिया और कहा कि उसने कभी नहीं सोचा था कि एक छोटा चूहा उसकी जान बचा सकता है।

अब उसे पता चल गया था कि कभी भी किसी को छोटा या कमजोर नहीं समझना चाहिए क्योंकि हर किसी में कुछ-न-कुछ खास होता है और कोई भी किसी की मदद कर सकता है।

शिक्षा- कभी किसी को छोटा या कमजोर न समझें क्योंकि हर किसी में कुछ-न-कुछ खास होता है।

3. बंदर और टोपीवाला

एक छोटे से गाँव में एक बंदर रहता था। वह बहुत चंचल और चालाक था। एक दिन, उसने एक टोपीवाले को देखा जो अपनी टोपियाँ बेचने बाजार में आया था। बंदर ने टोपियों को देखा और उन्हें चुराने का विचार किया। बंदर ने टोपीवाले की एक टोपी ली और पेड़ पर चढ़ गया। टोपीवाले ने बंदर को देखा और समझ गया कि वह उसकी

टोपी चुरा रहा है। टोपीवाले ने बंदर को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई। उसने ने अपनी टोपी के नीचे एक जाल रखा और बंदर को पुकारा, "अरे बंदर, नीचे आओ और मेरी टोपी वापस करो।" बंदर ने टोपीवाले को चिढ़ाने के लिए टोपी को और भी ऊँचाई पर फेंक दिया। टोपीवाले ने भी अपनी टोपी नीचे रख दी और बंदर की तरह करने लगा। बंदर ने सोचा कि टोपीवाला भी उसी की तरह ही है और उसने भी अपनी टोपी नीचे फेंक दी। बंदर की टोपी नीचे गिर गई और टोपीवाले ने उसे पकड़ लिया। बंदर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने टोपीवाले से माफी माँगी। टोपीवाले ने बंदर को माफ कर दिया और उसे महत्वपूर्ण सबक सिखाया कि बुद्धिमत्ता और चतुराई से ही सफलता प्राप्त होती है, न कि मूर्खता से।

शिक्षा- बुद्धिमत्ता और समझदारी का उपयोग करके समस्याओं का समाधान करना चाहिए और मूर्खता से बचना चाहिए।

❑❑